www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
15 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 77 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन समेत 10 यूरोपीय देशों ने मिसाइल डिफेंस गठबंधन बनाया

● रूस के बैलिस्टिक हमलों से यूरोप को बचाने की तैयारी

पेरिस (एजेंसी)। यूक्रेन और यूरोप के 9 देशों ने रूस के बैलिस्टिक मिसाइल खतरे से निपटने के लिए नया रक्षा गठबंधन बनाया है। इसका मकसद पूरे यूरोप के लिए साझा बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैयार करना है। यह फैसला पेरिस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं की बैठक में लिया गया। इनमें यूक्रेन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, नीदरलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं। संयुक्त बयान में कहा गया कि रूस की बैलिस्टिक मिसाइलें यूरोप की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन रही हैं। इसलिए पूरे यूरोप के लिए एक इंटीग्रेटेड मिसाइल डिफेंस सिस्टम विकसित किया जाएगा। इसमें रूस के खिलाफ चार साल से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के अनुभव का भी इस्तेमाल होगा।जेलेंस्की ने कहा कि यूरोप की पहली प्राथमिकता बैलिस्टिक मिसाइलों से सुरक्षा है। वहीं, गठबंधन ने साफ किया कि भविष्य में दूसरे यूरोपीय देश भी इसमें शामिल हो सकेंगे।

ट्विशा केस

गिरिबाला-समर्थ का फिर वॉयस सैंपल देने से इनकार

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को जिला अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। सीबीआई ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपियों ने वॉयस सैंपल नहीं दिया है। भोपाल एम्स ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया है। सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ाने की मांग की है। ट्विशा पक्ष के वकील शुभांग दीक्षित ने बताया कि अदालत पहले ही दोनों आरोपियों के वॉयस सैंपल लेने की अनुमति दे चुकी थी। इसके बाद 6 जुलाई को सीबीआई सैंपल लेने पहुंची थी। समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने से साफ इनकार कर दिया, जबकि गिरिबाला सिंह ने एक बार सैंपल दिया, लेकिन दोबारा सैंपल नहीं दिया।

नासिक में पर्यटकों पर हमला, 15 किमी तक पीछा किया

● पीड़ित परिवार ने महिला से छेड़छाड़ का विरोध किया था

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में घूमने गए एक पर्यटक परिवार पर मनचलों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने एक महिला से छेड़छाड़ की थी। परिवार ने इसका विरोध किया तो 8-10 युवकों ने परिवार को घेर लिया। महिला का परिवार किसी तरह कार से वहां से भागा। इसके बाद आरोपियों ने बाइकों से कार का करीब 15 किमी तक पीछा किया और लाठी-डंडों, रॉड और बेसबॉल स्टिक से उन पर जानलेवा हमला किया और चलती कार में तोड़फोड़ की। परिवार ने किसी तरह जान बचाई। वारदात सोमवार शाम की है। इस मामले में पुलिस ने लूट, हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ जैसे गंभीर मामले दर्ज कर 8 युवकों को अरेस्ट किया है। एक अन्य की तलाश जारी है।

रास्ते में कई बार कार पर डंडों-रॉड से हमला किया- नासिक पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नासिक में ही रहने वाली पूनम भागवत 12 जुलाई की शाम अपने परिवार के साथ भावली वाटरफॉल घूमने गई थीं। इसी दौरान परिवार की एक लड़की के साथ कुछ स्थानीय मनचलों ने कथित छेड़छाड़ की।

ऑस्ट्रेलिया में मोदी के कार्यक्रम पर विवाद

● आयोजकों ने कहा- पैसे देकर लोगों को नहीं बुलाया, कांग्रेस ने कहा था- पीएम के स्वागत में भाड़े के लोग आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी के मेलबर्न में हुए 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम पर आयोजकों ने कहा कि इस कार्यक्रम में आने के लिए लोगों को पैसे नहीं दिए गए थे। इससे पहले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए आरोप लगाया था कि 9 जुलाई को हुए इस कार्यक्रम में लोगों को पैसे देकर चार्टर्ड प्लेन से बुलाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्यक्रम के आयोजकों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखकर माफी और बयान वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का अपमान है। इसका खर्च बीजेपी, भारत सरकार या ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नहीं उठाया।

ब्रिटेन से भारत तक बढ़ा नया ट्रेंड

● महंगी छुट्टियों से बचने का ढूंढा नया तरीका, लोग आधे खर्च में ऐसे ले रहे पूरे ट्रिप का मजा

नईदिल्ली (एजेंसी)। महंगी फ्लाइट और होटल कीमतों से बचने के लिए ब्रिटेन समेत कई देशों में माता-पिता स्कूल की छुट्टियों के बजाय बच्चों को स्कूल के दिनों में घुमाने ले जा रहे हैं। ऑफ-सीजन यात्रा से खर्च कम होता है, भीड़ कम मिलती है और बच्चों को बेहतर सीखने का अवसर भी।

आधिकारिक छुट्टियों के बजाय स्कूल के दिनों में ही घुमाने ले जा रहे हैं- बढ़ती महंगाई और यात्रा पर बढ़ते खर्च के बीच परिवार अब छुट्टियां मनाने का नया तरीका अपना रहे हैं। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में माता-पिता बच्चों को स्कूल की आधिकारिक छुट्टियों के बजाय स्कूल के दिनों में ही घूमाने ले जा रहे हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से फ्लाइट, होटल और अन्य यात्रा खर्च में भारी बचत होती है। पर्यटन से जुड़ी कई एजेंसियों के विश्लेषण के अनुसार, यदि परिवार अपनी यात्रा को स्कूल की छुट्टियों से सिर्फ दो या तीन सप्ताह आगे या पीछे कर दें, तो फ्लाइट और होटल की कीमतें कई बार लगभग आधी रह जाती हैं।

कम खर्च में बेहतर यात्रा का अनुभव

विशेषज्ञों का कहना है कि ऑफ-सीजन में यात्रा करने से केवल पैसों की बचत ही नहीं होती, बल्कि परिवारों को बेहतर अनुभव भी मिलता है। पर्यटन स्थलों पर भीड़ कम होने के कारण बच्चे आराम से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों को समझ पाते हैं और यात्रा अधिक शिक्षाप्रद बन जाती है। यात्रा खर्च कम करने के लिए जर्मनी ने एक अलग व्यवस्था अपनाई है। वहां सभी राज्यों में स्कूलों की छुट्टियां एक साथ नहीं होतीं, बल्कि अलग-अलग तारीखों पर तय की जाती हैं।

भारत में भी बजट यात्रा पर जोर

पर्यटन से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, भारत में करीब 85 से 87 प्रतिशत परिवार गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों के साथ घूमने की योजना बनाते हैं। हालांकि पीक सीजन में बढ़ती कीमतों के कारण लगभग 95 प्रतिशत माता-पिता सबसे पहले बजट को ध्यान में रखकर यात्रा की योजना बनाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 60 प्रतिशत परिवार महंगे विदेशी टूर छोड़कर देश के पहाड़ी पर्यटन स्थलों का रुख कर रहे हैं।

● भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

मंदिर परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

● मप्र सरकार से कहा- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे

नईदिल्ली/धार(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए।

अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट एमपी हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है।

सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी।

● **भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं होगा-** मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई करीब तीन सप्ताह बाद की जाएगी।

ज्ञानवापी मामला

मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई पूरी, दोनों पक्षों ने समझौता से किया इनकार- ज्ञानवापी मामले में मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई आज (यानि मंगलवार) को पूरी हो गई। दोनों पक्षों ने मध्यस्थता से इनकार कर दिया है। चार पत्रावलियों पर ये बातचीत हुई है। चारों पत्रावलियों के पक्षकार आए थे और सभी ने इस मामले में किसी भी प्रकार की मध्यस्थता से इनकार किया और कोर्ट के निर्णय को सर्वमान्य मानने की बात कही।

मंदिर-मस्जिद पक्ष ने कहा, अदालत से तय होंगे मुकदमे- सभी पक्षों ने अपनी-अपनी बातों पर दृढ़ता दिखाई कि कोई समझौता नहीं करेंगे, अपनी लड़ाई लड़ेंगे। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार समझौते की वार्ता विफल हो गई। चर्चा थी कि मुस्लिम पक्ष समझौता वार्ता का बहिष्कार करेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुस्लिम पक्ष से अंजुमन मसाजिद के प्रतिनिधि और अधिवक्ता गण भी आए थे।

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा हेराफेरी मामला:

जांच के लिए धाम पहुंचे गढ़वाल मंडल आयुक्त

चमोली। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी मामले की जांच तेज हो गई है। शासन की टीम ने धाम पहुंचकर व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया, वहीं पुलिस की जांच में सामने आए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बीकेटीसी के कुछ अन्य कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है।

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा हेराफेरी मामला की जांच के लिए शासन की जांच टीम मंगलवार को गढ़वाल मंडल आयुक्त के नेतृत्व में बदरीनाथ धाम पहुंची। टीम ने धाम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बीकेटीसी कर्मचारियों से बातचीत कर विभिन्न पहलुओं की जानकारी जुटाई। इस दौरान जांच टीम ने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का भी निरीक्षण किया। बदरीनाथ मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कई अन्य कर्मचारी भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं। पुलिस ने 25 जून की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो उसमें आरोपी कर्मचारी के साथ कुछ अन्य कर्मचारी भी गणना कक्ष में संदिग्ध हरकत करते नजर आए। फिलहाल पुलिस ने सभी संदिग्ध सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है।

रामंदिर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष बोले

चढ़ावे से 3 करोड़ चोरी हुए

● अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर- दिल में बाबर, मुंह में राम

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी।

14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र का नाम हटा दिया गया है। इससे पहले दोनों की वीआईपी पास आईडी भी ब्लॉक कर दी गई थी। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास के नाम पर नई वीआईपी पास आईडी जारी की गई है।अयोध्या, बाराबंकी, मथुरा समेत यूपी के कई जिलों में सोमवार देर रात सपा के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इनमें मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की तस्वीरों के साथ लिखा है- दिल में बाबर, मुंह में राम। मंगलवार सुबह सपा कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग्स फाड़ दिए।

उत्तराखंड में पहले चरण के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी, 8.26 लाख वोट कटे

19 लाख को जारी होंगे नोटिस

देहरादून। उत्तराखंड में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का पहला चरण पूरा होने के बाद मंगलवार को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हो गई। इसमें 8.26 लाख वोट कट गए हैं। ये ऐसे वोटर हैं, जो अनुपस्थित, मृतक, शिफ्टेड, दोहरे की श्रेणी में आते थे। वहीं, 19.04 लाख मतदाता ऐसे पाए गए हैं, जिनके एसआईआर प्रपत्र में विसंगतियां पाई गई हैं। इन सबको अब चुनाव आयोग 25 जुलाई से नोटिस जारी करेगा। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने देहरादून में प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के 19 लाख मतदाताओं के एसआईआर फॉर्म में विसंगतियों के कारण उन्हें चुनाव आयोग के नोटिस जारी किए जाएंगे। 11 सितंबर तक नोटिस और आपत्ति का निपटारा किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय पंचायत स्तर पर सुनवाई होगी।

71,33,785 मतदाता शामिल

बताया कि मतदाता सूची में 71,33,785 मतदाता शामिल हैं। इसमें 52% पुरुष, (37,23,000) और 47% महिला(34,23,000) हैं। हरिद्वार में 12,45,000 , देहरादून में 11,90,000 उधमसिंह नगर में 11,55,000 मतदाता हैं। रुद्रप्रयाग के 1.80 लाख, चम्पावत में 1.88 लाख, बागेश्वर में 200919 मतदाता आये हैं। अब 15 सितंबर को मतदाता सूची आएगी। प्रदेश में मतदान केंद्रों की संख्या 11733 से बढ़कर 12543 हुई है।

जून में थोक महंगाई 9.81 प्रतिशत, 44 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने और रोजाना जरूरत के सामान महंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह पिछले महीने 9.68 प्रतिशत पर थी। जून में महंगाई 44 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 जुलाई को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान

और खाने-पीने की चीजों का महंगा होना है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ तो इसके दामों में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले कल रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे।

होलसेल महंगाई के 4 हिस्से

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62 प्रतिशत है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15 प्रतिशत और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23 प्रतिशत है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

● फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, सब्जियां
● नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं
● मिनरल्स
● क्रूड पेट्रोलियम
● होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर हो रहा है। ● रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी।

रोजाना जरूरत के सामान के दाम बढ़े

● रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 4.99 प्रतिशत से बढ़कर 7.00 प्रतिशत हो गई है। ● खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 4.49 प्रतिशत से बढ़कर 6.14 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ● फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 30.33 प्रतिशत से घटकर 27.41 प्रतिशत हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

14 महीने में हथियारों की खरीद का पैटर्न बदला; लंबी जंग की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है।

डिफेंस एक्विजिशन कार्उंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

तैयारी की वजह युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात- तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रुप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदान की 38 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में संचालित पेयजल, पर्यटन, सिंचाई योजनाओं के क्रियान्वयन एवं पौड़ी गढ़वाल में एन.सी.सी. अकादमी स्थापना के लिये 38 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने नाबार्ड वित्तपोषण के अंतर्गत चमोली एवं अल्मोड़ा जनपदों में सिंचाई विभाग की 5 योजनाओं के लिए 12.83 करोड़ सहित सिंचाई विभाग की 7 अन्य योजनाओं के लिए 15.06 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चम्पावत के विभिन्न स्थानों पर 50 हैंडपंप तथा 31 सोलर पैनलों की स्थापना के लिये 3.98 करोड़ जनपद नैनीताल स्थित पर्यटक आवास गृह, मुक्तेश्वर के उच्चीकरण कार्य के लिए 4.96 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने के साथ ही जनपद पौड़ी में एन.सी.सी. अकादमी की स्थापना के लिए संशोधित आगणन 50.00 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में 1 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के सिविल एवं पारिवारिक पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की दरों में वृद्धि का किया अनुमोदन

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के पांचवें एवं छठवें केन्द्रीय वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार लागू वेतन बैंड एवं ग्रेड वेतन में पेंशन प्राप्त कर रहे सिविल एवं पारिवारिक पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की दरों में वृद्धि करते हुए 1 जनवरी 2026 से पांचवें वेतनमान के पेंशनरों के लिए महंगाई राहत 474 प्रतिशत से बढ़ाकर 484 प्रतिशत तथा छठवें वेतनमान के पेंशनरों के लिए 257 प्रतिशत से बढ़ाकर 262 प्रतिशत प्रतिमाह किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास, आधारभूत संरचना को मजबूत बनाने, पर्यटन को बढ़ावा देने, किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सभी स्वीकृत योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए है।

नए सत्र से नए भवन में प्रवेश लेंगे जीआईसी के विद्यार्थी

नैनीताल। मेजर राजेश अधिकारी जीआईसी के विद्यार्थी वर्ष 2027–28 के नए सत्र से जीजीआईसी में बन रहे नए भवन में प्रवेश लेंगे।

आगामी वर्ष से पीएमश्री जीजीआईसी एवं जीआईसी एक ही परिसर में संचालित होंगे। 6.5 करोड़ रुपये की लागत से जीजीआईसी में कार्य की शुरुआत हो चुकी है।

आजादी के दौर से शहर में संचालित जीआईसी वर्ष 2018 में बलियानाला में आई आपदा के बाद ध्वस्त हो गया था। तब से ऊपर स्थित इंटरमीडिएट भवन में सभी कक्षाएं संचालित हो रही हैं। विभिन्न अड़चनों के बाद जीजीआईसी परिसर में भवन बनाया जाना तय हुआ। विभागीय औपचारिकताओं एवं निविदा के बाद बीते कुछ समय पूर्व विद्यालय भवन के निर्माण की शुरुआत हुई। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता प्रमोद पाठक ने बताया कि बुनियाद आदि डालकर लगभग 15 फीसदी कार्य हो गया है। मार्च 2027 तक भवन निर्माण के लक्ष्य के तहत कार्य किया जा रहा है।

रुद्रपुर व पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज को नहीं मिली मान्यता

हल्द्वानी। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (नेशनल मेडिकल काउंसिल) ने रुद्रपुर और पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज को वर्ष 2026–27 के शैक्षिक सत्र के लिए एमबीबीएस की मान्यता देने से इंकार कर दिया है। दोनों कॉलेजों ने 100–100 एमबीबीएस सीटों के लिए आवेदन किया था। एनएमसी ने फैकल्टी, संसाधनों और निर्माण कार्य में खामियां बताते हुए मान्यता रोक दी है। दोनों मेडिकल कॉलेजों की मान्यता के लिए 2020 से कार्रवाई चल रही थी। अब 15 दिन के भीतर फिर से आवेदन कर अंडरटेकिंग देनी होगी। इसमें कॉलेज प्रशासन को एनएमसी को यह संतुष्ट करना होगा कि निर्धारित समय में फैकल्टी पूरी कर ली जाएगी और निर्माण कार्य भी पूरे कर दिए जाएंगे। इसी शर्त पर मान्यता मिल सकती है।

रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में सिर्फ 13 फैकल्टी

रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. ऊषा रावत के अनुसार कॉलेज में फैकल्टी की भारी कमी है। वर्तमान में 13 फैकल्टी ही उपलब्ध हैं। एनएमसी ने प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पद खाली होने पर आपत्ति जताई है। इसके अलावा संसाधनों और निर्माण कार्यों को लेकर भी कमियां बताई गई हैं। लैब, लाइब्रेरी और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं अभी मानकों के अनुसार पूरी नहीं हैं।

पिथौरागढ़ में 85 के सापेक्ष सिर्फ 6 फैकल्टी

पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एके सिंह ने बताया कि यहां सबसे बड़ी समस्या प्रयोगशालाओं के निर्माण न होने और फैकल्टी की कमी है। एनएमसी के मानक के अनुसार 85 फैकल्टी चाहिए, लेकिन अभी केवल 6 फैकल्टी ही कार्यरत हैं। प्रो. सिंह ने कहा, डॉक्टरों के ट्रांसफर हो जाने से फैकल्टी में कमी हुई है। प्रयोगशालाओं का निर्माण कार्य भी पूरा नहीं हो पाया है। इन्हीं कारणों से मान्यता नहीं मिल पाई। अब दोनों कॉलेज 15 दिन के भीतर एनएमसी को दोबारा प्रस्ताव भेजेंगे। इसके साथ अंडरटेकिंग दी जाएगी कि तय समय सीमा में सभी कमियां दूर कर दी जाएंगी।

एक नजर

आंसुओं के बीच चली आरी

देहरादून। भानियावाला–ऋषिकेश फोरलेन मार्ग निर्माण के लिए चार दिन बाद पेड़ों का कटान शुरू हो गया है। पेड़ कटान में पर्यावरणप्रेमी व्यवधान न डालें इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। हल्के–फुल्के विरोध के बीच पेड़ों का कटान किया गया। करीब 100 पेड़ काटे गए।

भानियावाला–ऋषिकेश फोरलेन मार्ग पर एक अजीब सी खामोशी थी। भारी पुलिस बल तैनात था, मशीनें तैयार थीं और सामने खड़े थे वे लोग, जो पिछले कई दिनों से पेड़ों को बचाने की लड़ाई लड़ रहे थे। कुछ ही देर में जैसे ही पहली आरी चली और वर्षों पुराना एक विशाल पेड़ भरभराकर जमीन पर गिरा, वहां खड़े कई पर्यावरण प्रेमियों की आंखें छलक पड़ीं। किसी ने दोनों हाथों से चेहरा ढक लिया, कोई सड़क किनारे बैठकर फफक–फफक कर रोने लगा तो कोई बीच सड़क पर बैठकर कटान रोकने की आखिरी कोशिश करता रहा। लेकिन पुलिस के घेरे और प्रशासनिक व्यवस्था के सामने उनकी एक नहीं चली।

आंदोलन के कारण पेड़ों का कटान रोक गया था

भानियावाला–ऋषिकेश फोरलेन परियोजना के लिए संरक्षित प्रजाति के तीन हजार से अधिक पेड़ों का कटान प्रस्तावित है। पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरण प्रेमी, सामाजिक संगठन और स्थानीय लोग पिछले कई दिनों से लगातार धरना–प्रदर्शन कर रहे थे। उनका कहना था कि विकास जरूरी है, लेकिन विकास की कीमत हजारों पेड़ों और पर्यावरण को उजाड़कर नहीं चुकाई जानी चाहिए। विरोध को देखते हुए वन निगम और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने पहले ही पुलिस सुरक्षा की मांग की थी। बीते बृहस्पतिवार से आंदोलन के कारण पेड़ों का कटान रोक दिया गया था, लेकिन सोमवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में फिर से आरियां चलनी शुरू हो गईं।

निकाय चुनाव लड़े प्रत्याशियों को जोड़ेगी भाजपा

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं को साधने के लिए भाजपा अब निकायों में कसरत करेगी। इसके लिए निकाय चुनाव लड़े भाजपा प्रत्याशियों के साथ निर्दलीयों और कांग्रेस से भाजपा में आने की ख्वाहिश रखने वाले प्रत्याशियों के विधानसभावार सम्मेलन कराए जाएंगे।

सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी ऑडिटोरियम में सोमवार को भाजपा की प्रदेश एवं जिला प्रकोष्ठ कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें निकाय, स्वयं सहायता समूह, पंचायत, एनजीओ, विधि एवं गोरखा प्रकोष्ठ के प्रदेश एवं जिला संयोजक एवं सह–संयोजकों ने हिस्सा लिया। आगामी कार्यक्रमों एवं कार्ययोजना पर प्रकोष्ठों की भूमिका की दृष्टि से विस्तृत मंथन किया।

प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि प्रकोष्ठ संगठन की शक्ति हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं संगठन की विचारधारा को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि हमें सभी उन प्रत्याशियों का विधानसभावार सम्मेलन करना है, जो निकाय चुनाव लड़े थे। इनमें भाजपा के अलावा निर्दलीय और कांग्रेस छोड़कर भाजपा आने की इच्छा रखने वाले प्रत्याशी भी शामिल होंगे।

लालढांग–चिल्लरखाल मार्ग पर सभी तरह के वाहनों के संचालन को मिली मंजूरी

देहरादून। लालढांग–चिल्लरखाल मार्ग पर लगभग सभी श्रेणी के वाहनों के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। सवीच्च न्यायालय की सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) ने मार्ग से जुड़े सवीच्च न्यायालय के आदेश में प्रयुक्त कामर्शियल वाहन शब्द को लेकर बनी भ्रम की स्थिति स्पष्ट करते हुए विभिन्न श्रेणी के वाहनों के संचालन को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सीईसी के सदस्य सचिव डॉ. सतीश सी. गढ़कोटी ने छह जुलाई को उत्तराखंड के प्रमुख सचिव को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि इस मार्ग पर सवारी वाहन, सरकारी बसें, गढ़वाल मोटर ऑनर्स यूनियन (जीएमओयू) की बसें, स्कूल बसें, किसानों के ट्रैक्टर और भवन निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों के संचालन की अनुमति दी गई है।

अब अस्पताल में भर्ती घायल और बीमार पीआरडी जवानों को भी मिलेगा मानदेय

देहरादून। प्रदेश सरकार ने प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) स्वयंसेवकों को बड़ी राहत दी है। अब ड्यूटी और प्रशिक्षण के दौरान बीमार या घायल होकर अस्पताल में भर्ती पीआरडी जवानों को उपचार अवधि में भी मानदेय मिलेगा। शासन ने इसके लिए एसओपी जारी की है। राज्य में करीब दस हजार पीआरडी जवान हैं। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल मंत्री रेखा आर्या के मुताबिक इस व्यवस्था से उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।

विभागीय मंत्री ने कहा, यह व्यवस्था मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप की गई है। पीआरडी स्वयंसेवक विपरीत परिस्थितियों में भी विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ दे रहे हैं। पूर्व में ड्यूटी के दौरान किसी दुर्घटना या बीमारी की स्थिति में अस्पताल में भर्ती होने पर उनका इस अवधि का मानदेय कट जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि को अब ऑन ड्यूटी माना जाएगा। इस नई व्यवस्था के तहत उन्हें अधिकतम 180 दिन का मानदेय दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी के निर्देशों के तहत हुई समीक्षा बैठक

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा–निर्देशों के क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत संचालित आवासीय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए मंगलवार को सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एएचपी (अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप) घटक के अंतर्गत निर्माण कार्य कर रही कार्यदायी संस्थाओं और विकासकों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कई परियोजनाओं में निर्माण कार्यों की धीमी गति सामने आने पर सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केंद्र सरकार की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है और इसके कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में संयुक्त मुख्य प्रशासक दिनेश प्रताप सिंह, उप सचिव आवास धीरेन्द्र रावत, अधिशासी अभियंता विनोद कुमार चौहान, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, सहायक अभियंता आकांक्षा चौहान, आवास विशेषज्ञ रोहित रंजन सहित विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े

विकासकों एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

धीमी प्रगति पर जताई कड़ी नाराजगी

बैठक के दौरान सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने परियोजनावार प्रगति की समीक्षा करते हुए पाया कि कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य निर्धारित गति से आगे नहीं बढ़ रहे हैं। इस पर उन्होंने संबंधित विकासकों को फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराना सरकार की सवीच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि कई परियोजनाएं अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं, ऐसे में शेष कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा कर लाभार्थियों को जल्द से जल्द मकानों का कब्जा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने सभी विकासकों को परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

15 अगस्त से पहले कार्य पूरे करने की समयसीमा

समीक्षा बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद सभी विकासकों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत संचालित सभी परियोजनाओं के निर्माण कार्य 15 अगस्त 2026 से पूर्व पूर्ण किए जाएं। सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समयसीमा तक कार्य पूरे नहीं किए जाते हैं तो संबंधित विकासकों के विरुद्ध अनुबंध की शर्तों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समय पर कार्य पूरा करने की जिम्मेदारी पूरी तरह संबंधित कार्यदायी संस्था और विकासक की होगी।

धौलास आवासीय परियोजना पर विशेष जोर

बैठक में सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) अधिकारियों को धौलास आवासीय परियोजना के अंतर्गत आवंटन संबंधी सभी प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

रामगाड़ पुल पर भारी और मालवाहक वाहनों की आवाजाही 20 जुलाई तक बंद

नैनीताल। बारिश के चलते भवाली– अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रामगाड़ पुल की सुरक्षा दीवार के क्षतिग्रस्त होने के बाद प्रशासन ने एहतियातन भारी और मालवाहक वाहनों के आवागमन पर 20 जुलाई तक 24 घंटे के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। पुल की मरम्मत पूरी होने तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। यात्री वाहन, सेना, गैस, तेल तथा अन्य आवश्यक सामग्री लेकर चलने वाले वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि प्रशासन के अनुसार 11 जुलाई को हुई भारी वर्षा के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग–87 (नया 109) के किलोमीटर 31 पर स्थित रामगढ़ पुल के बाएं एबटमेंट की डाउनस्ट्रीम विंग वॉल लगभग 12 मीटर तक क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके चलते पुल की उपयोगी चौड़ाई घटकर करीब 3.50 मीटर रह गई है। ऐसे में भारी वाहनों की आवाजाही से पुल और एप्रोच मार्ग को और अधिक नुकसान पहुंचने की आशंका को देखते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है।

डायवर्जन व्यवस्था

नैनीताल। अल्मोड़ा – रानीखेत से हल्द्वानी जाने वाले सभी भारी एवं मालवाहक वाहन हल्द्वानी जाएंगे। हल्द्वानी से अल्मोड़ा जाने वाले भारी वाहन खुटानी होकर जाएंगे जबकि अन्य मालवाहक वाहन भवाली,रामगढ़,नथुवाखा क्रास मार्ग का उपयोग करेंगे। वहीं रानीखेत जाने वाले भारी वाहन भवाली मार्ग से गुजरेंगे। नैनीताल और ज्योलीकोट से अल्मोड़ा व रानीखेत जाने वाले सभी भारी और मालवाहक वाहन भवाली-रामगढ़ मार्ग से संचालित किए जाएंगे।

कोटाबाग में 19 को लगेगा रोजगार मेला

कालाढूंगी। भाजपा प्रवक्ता विकास भगत ने बताया कि 19 जुलाई को कोटाबाग के शंकर चौक बालाजी बैंक्वेट हॉल में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। क्वेस कॉर्प कंपनी यहां टाटा मोटर के लिए भर्तियां करेगी। बताया कि 12वीं पास युवा, आईटीआई और पॉलीटेक्निक डिप्लोमाधारी युवा वॉक इन इंटरव्यू दे सकते हैं। ऐसे युवाओं को 6 रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की मार्कशीट, आईटीआई एवं ग्रेजुएशन के सर्टिफिकेट, स्थायी निवास प्रमाण पत्र एवं पुलिस वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट लेकर कैंप में आना होगा।

बेकाबू कार का कहर, तीन स्कूटी को टक्कर मारी

हल्द्वानी। नैनीताल रोड पर सोमवार रात एक तेज रफ्तार ऑल्टो कार चालक ने नशे की हालत में कहर बरपाते हुए एक के बाद एक तीन स्कूटी सवारों को टक्कर मार दी। आखिर में कार बेकाबू होकर नाले में जा घुसी। गनीमत रही कि हादसे में कोई गंभीर रूप से हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है।

शहर में हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नैनीताल रोड पर जजी के पास सोमवार रात तेज रफ्तार ऑल्टो कार चालक ने एक–एक कर तीन स्कूटी सवारों को टक्कर मार दी। इसके बाद बेकाबू कार नाले में जा घुसी। इस दौरान लोग बाल–बाल बच गए। हादसे में स्कूटी सवार तीन लोगों को मामूली चोटें आई हैं। हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने चालक को बैठा लिया है। पुलिस ने चालक का बेस अस्पताल में मेडिकल कराया जहां उसके नशे में होने की पुष्टि हुई है। एसएसआई रोहताश सागर ने बताया कि हादसे में किसी के चोटिल होने का पता नहीं चला है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। चालक ओखलकांडा ब्लॉक के खनस्यूं का रहने वाला है। ठंडी सड़क पर स्पोर्ट्स बाइक सवार ने दो राहगीरों को टक्कर मार दी। हादसे में राहगीरों के साथ ही बाइक सवार गिरकर घायल हो गया जिसे स्थानीय लोगों ने नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

खेल नीति तैयार करने में जनता भी बनेगी भागीदार

देहरादून। उत्तराखंड की नई खेल नीति के निर्माण में अब आम जनता भी अपनी भागीदारी निभा सकेगी। खेल विभाग ने प्रदेशवासियों से 30 जुलाई 2026 तक इसके लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। खिलाड़ी, प्रशिक्षक, खेल विशेषज्ञ, खेल संघ, अभिभावक, शिक्षक, खेल प्रेमी और आम नागरिक अपने सुझाव ऑनलाइन माध्यम, ईमेल या डाक से भेज सकते हैं। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि उपयोगी सुझावों को नई खेल नीति में शामिल करने पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही, बेहतर सुझाव देने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा। खेल मंत्री ने कहा, सरकार ऐसी खेल नीति बनाना चाहती है जो प्रदेश की जरूरतों के अनुरूप हो। यह नीति खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। उन्होंने बताया कि नीति निर्माण में जनता की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ये सुझाव मांगे गए हैं।

गर्जिया मंदिर के पुल पर दुकानदारों ने किया अतिक्रमण

रामनगर। गर्जिया देवी मंदिर परिसर से हटाई गई दुकानों का सामान अब मंदिर के मुख्य पुल पर पहुंच गया है। दुकानदारों ने पुल पर प्लाई, लकड़ी, तिरपाल, बक्से और टूटी कुर्सियां आदि सामान रख दिया है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। पुल पर जगह कम होने से लोगों को निकलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बीते दिनों कोसी नदी का जलस्तर कई गुना बढ़ गया था। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन ने मंदिर के पास लगने वाली दुकानों को खाली करा दिया था। इसके बाद लोगों ने अपनी दुकान के सामान को पुल पर रख दिया था। यहां सामान रखे जाने के कारण पैदल चलने तक की पर्याप्त जगह नहीं बची है। लोगों ने प्रशासन से पुल पर रखा सामान तत्काल हटवाकर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है ताकि मंदिर आने–जाने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। गर्जिया मंदिर समिति के अध्यक्ष कुबेर सिंह अधिकारी ने बताया कि मंदिर समिति ने वन विभाग, लोनिवि और प्रशासन को पत्र भेजकर पुल से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

बदरीनाथ चढ़ावा प्रकरण: हेमंत द्विवेदी के आरोपों पर गोदियाल का पलटवार

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने भी बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के आरोपों पर पलटवार करते हुए उन्हें सार्वजनिक बहस की चुनौती दी। उन्होंने चुनौती दी थी कि आज 12.30 बजे प्रेस क्लब में बहस के लिए वह मौजूद रहेंगे। गोदियाल आए भी, लेकिन हेमंत द्विवेदी नहीं आए।

गोदियाल ने कहा, किसी भी मामले में आरोपी की ओर से लगाए जाने वाले अतीत के आरोप निराधार होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को वैयक्तिक सहायक पद पर बीकेटीसी के देहरादून कार्यालय में तैनात

किया गया था। लेकिन बीकेटीसी अध्यक्ष द्विवेदी ने निजी सचिव के रूप में बदरीनाथ मंदिर में तैनात कर दिया। साथ ही मंदिर के चढ़ावे की गणना में लगा दिया। कहा, आरोप लगाने से बीकेटीसी अध्यक्ष बच नहीं सकते हैं।

गोदियाल ने कहा, बीकेटीसी अध्यक्ष के आरोप हैं कि आरोपी कर्मचारी को मेरे के कार्यकाल में नियुक्त किया गया। यदि कोई कर्मचारी बाद में अनियमितता करता है कि उसकी जिम्मेदारी नियुक्ति करने वाले की नहीं हो सकती। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री धामी भी नियुक्तिपत्र वितरित कर रहे हैं, भविष्य में यदि इनमें से कोई कर्मचारी भ्रष्टाचार में संलिप्त पाया जाता है तो क्या मुख्यमंत्री जिम्मेदार होंगे।

खुल सकता है अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का रास्ता

देहरादून , देहरादून एयरपोर्ट पर जरूरी सुविधाएं जुटाकर हब एंड स्पोक मॉडल को लागू कर हवाई पैसेंजरों को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सुविधा का लाभ मिल सकता है। इस मॉडल के लागू होने के बाद दून एयरपोर्ट को दिल्ली जैसे बड़े केंद्रीय हवाई अड्डे से जोड़ा जा सकता है। जिससे हवाई यात्रियों को केंद्रीय एयरपोर्ट तक पहुंचने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का लाभ मिल सकता है। देहरादून एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने के प्रयास लंबे समय से किए जा रहे हैं। जिसके लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया भी काफी पहले शुरू की जा चुकी है लेकिन सरकार और एयरपोर्ट प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती रनवे विस्तार की है, जिसके लिए थानो वन रेंज की जमीन की आवश्यकता है। इसका प्रस्ताव भारत सरकार के पास लंबित है। दून एयरपोर्ट पर मौजूदा रनवे की लंबाई करीब 2140 मीटर है। जबकि बड़ी या अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए रनवे की लंबाई करीब तीन हजार मीटर होना जरूरी है। लेकिन यदि दून एयरपोर्ट को हब एंड स्पोक मॉडल की तर्ज पर विकसित किया जाए तो कम समय में दून एयरपोर्ट केंद्रीय एयरपोर्ट से जुड़कर मौजूदा रनवे के साथ ही हवाई यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का लाभ दे सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसियों ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

कीर्तिनगर : जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग ने मंगलवार को कीर्तिनगर स्थित हनुमान मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर बदरी-केदार और अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नए पुल से मुख्य बाजार होते हुए पुराने पुल तक जुलूस निकालकर नारेबाजी भी की। जलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि धार्मिक संस्थानों से जुड़े वित्तीय मामलों में अनियमितताओं के आरोप लगे हैं तो उनकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। साथ ही धार्मिक संस्थानों से जुड़े वित्तीय मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। इस मौके पर पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश बर्त्वाल, नगर अध्यक्ष प्रदीप थपलियाल, पीसीसी सदस्य मोहनानंद डोभाल, श्यामलाल आर्य, डॉ. प्रताप सिंह भंडारी, रामलाल नौटियाल, आशुतोष रावत, अर्जुन गोदियाल, भीम सिंह नेगी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पंजीकरण तिथि बढ़ी

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी बीएड) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। छात्र-छात्राएं आईटीईपी में पाठ्यक्रम में पंजीकरण करने के लिए 16 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। गढ़वाल विवि के डीएसडब्ल्यू प्रो. ओपी गुसाईं ने कहा कि यह निर्णय विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर श्रीनगर तथा एसआरटी परिसर, बादशाहीथौल टिहरी गढ़वाल में संचालित बीए-बीएड, बीएससी-बीएड एवं बीकॉम-बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के जिन छात्र-छात्राओं ने एनसीईटी-2026 परीक्षा दी है वही छात्र 16 जुलाई तक गढ़वाल विवि के समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। (एजेंसी)

सरकारी मदद के इंतजार के बजाय ग्रामीण खुद ही जुट गए नहर ठीक करने में

उत्तरकाशी। बारिश से सिंचाई व्यवस्था ठप हुई तो धनारी क्षेत्र के ग्रामीणों ने सरकारी मदद का इंतजार करने के बजाय अपनी मेहनत और सामूहिक प्रयास से समाधान निकाल लिया। डुंडा ब्लॉक के धनारी क्षेत्र में धनपति नदी पर नहर का हेड बहने के बाद ग्रामीणों ने लकड़ी, टिन और स्थानीय संसाधनों की मदद से अस्थायी हेड तैयार कर नहर में दोबारा पानी पहुंचा दिया। गत शुक्रवार को हुई बारिश के कारण धनपति नदी में तेज बहाव आया जिससे नहर का हेड क्षतिग्रस्त होकर बह गया। इसका सीधा असर रोपाई के सीजन में जुटे किसानों पर पड़ा। खेतों तक पानी पहुंचना बंद होने से फसल प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया था। ऐसे में ग्रामीणों ने खुद ही जिम्मेदारी संभालते हुए नदी में उतरकर अस्थायी व्यवस्था तैयार की।

ग्रामीण अजय राम उनियाल, गोविंद सिंह, अनिल सेमवाल और वीरेंद्र सिंह ने बताया कि लंबे समय से नहर की स्थायी व्यवस्था नहीं हो पाई है। पाइपों के सहारे किसी तरह खेतों तक पानी पहुंचाया जा रहा था लेकिन बारिश में वह भी बह गया। रोपाई के महत्वपूर्ण समय में पानी की कमी किसानों के लिए बड़ी समस्या बन सकती थी। इसलिए सभी ग्रामीण एकजुट हुए और सीमित संसाधनों से समाधान तैयार किया।

गंगोत्री हाईवे : बीआरओ ने गड्ढों में भर दिया मिट्टी

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर ज्ञानसू में बने गड्ढों को बीआरओ ने भर दिया है। हालांकि यह मरम्मत फिलहाल मिट्टी और पत्थर डालकर की गई है जिससे बरसात में इनके दोबारा बहने की आशंका बनी है। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर प्रकाशित खबर के बाद बीआरओ ने अगले ही दिन कार्रवाई की। जिला मुख्यालय से सटे ज्ञानसू कस्बे में हाईवे की खराब हालत लंबे समय से वाहन चालकों और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी थी। बारिश के दौरान सड़क पर बने गड्ढों में पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता था जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना है। करीब एक वर्ष पहले जून में 90 लाख की लागत से ज्ञानसू से तेखला तक कराया गया डामर कुछ ही महीनों में उखड़ने लगा था। इसके बाद सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए थे।

स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए स्थायी मरम्मत की मांग की थी। लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष बरसात के बाद भी बीआरओ ने गड्ढों में मिट्टी भरकर अस्थायी व्यवस्था की थी लेकिन बारिश में वह सामग्री बह गई और सड़क की हालत फिर खराब हो गई। इस बार भी गड्ढों को मिट्टी और पत्थर से भरने के बाद स्थायी समाधान की जरूरत है।

लिपिक नहीं होने से रुक रहे हैं काम

उत्तरकाशी। कलक्ट्रेट स्थित जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण में दिसंबर से लिपिक (क्लर्क) का पद खाली होने के कारण विभागीय कामकाज गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। सेवानिवृत्ति के बाद अब तक नए लिपिक की नियुक्ति नहीं हो सकी है जिससे कार्यालय में लंबित फाइलों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है और आम लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्राधिकरण का मुख्य दायित्व शहर में बनने वाले भवनों के नक्शों की जांच कर उन्हें स्वीकृत या निरस्त करना, अवैध निर्माण संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई करना और निर्माण कार्यों से जुड़े अभिलेखों का रखरखाव करना है। लिपिक के अभाव में फाइलों का पंजीकरण, पत्राचार, नोटशीट तैयार करना, दस्तावेजों का सत्यापन, आदेशों की प्रतिलिपि जारी करना और विभिन्न शाखाओं के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कई प्रकरण अपेक्षित प्रक्रिया पूरी नहीं होने से लंबित हैं जिससे नक्शा स्वीकृति में देरी हो रही है। स्थानीय लोगों ने जल्द नियुक्ति कर कामकाज को सुचारु बनाने की मांग की है। प्राधिकरण की एई शिवानी मनवाल ने बताया कि नए लिपिक के पद पर जल्द नियुक्ति होने की उम्मीद है।

यूकॉस्ट की कार्यशाला में 35 विज्ञान शिक्षकों ने किया प्रतिभाग

उत्तरकाशी। विज्ञान शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक और गतिविधि आधारित बनाने के उद्देश्य से उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तत्वावधान और अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन के सहयोग से दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में जिले के करीब 35 विज्ञान शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र अमोली ने दीप प्रज्जवलन कर किया।

बेअसर रही बारिश, अस्पताल में बढ़े मरीज

बेस अस्पताल में बढ़ी उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पिछले दिनों हुई बारिश बेअसर रही। नतीजा, भीषण गर्मी व उमस ने आमजन को बीमार करना शुरु कर दिया है। राजकीय बेस चिकित्सालय में उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रतिदिन चिकित्सालय पहुंचने वाले पांच-छः सौ मरीजों में से सौ-डेढ़ सौ मरीज उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं। चिकित्सक भी मरीज व उनके तीमारदारों को धूप व लू से बचने की सलाह दे रहे हैं।

वहीं, क्षेत्र के निजी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में लगातार गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। पिछले दिनों हुई वर्षा का असर यह है कि अब भीषण गर्मी व उमस परेशान कर रही है। ऐसे में शरीर को झुलसाने वाली धूप व उमस आमजन की सेहत को बिगाड़ने लगे हैं। सुबह से अस्पताल में ओपीडी की पर्ची बनवाने वालों की लंबी-लंबी लाइनें नजर आ रही हैं। अस्पताल में अधिकांश मरीज उल्टी-दस्त, डायरिया व बुखार के पहुंच रहे हैं। बेस चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजीशियन डा. जेसी ध्यानी मरीजों को गर्मी के मौसम में सावधान रहने की सलाह दे रहे हैं। चिकित्सक का कहना है कि ऐसे मौसम में खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। साथ ही बुजुर्ग व बच्चों को तेज धूप में घर से बाहर निकलने से परहेज करना चाहिए। गर्मी का प्रकोप बच्चों पर भी भारी पड़ रहा है। अधिकांश बच्चों में उल्टी, दस्त के साथ ही पेट दर्द की समस्या सामने आ रही हैं। चिकित्सकों की माने तो ऐसे मौसम में बच्चों को फास्टफूड व बाहर के खाने से परहेज करना चाहिए।

कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंचे मरीज

इन का रखे ध्यान

1. बाहर धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं
2. ताजा खाना खाएं व बासी खाने से परहेज करें
3. धूप में सिर को कपड़े से ढक कर ही बाहर निकलें
4. फास्टफूड खाने से परहेज करें
5. अधिक से अधिक पानी पीएं

अभाविप के 15 कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : एबीवीपी के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बेस अस्पताल श्रीकोट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में युवाओं और परिषद के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संयोजक व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष जसवंत सिंह राणा ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्र हितों के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सेवा के कार्यों में भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाती रही है। इस दौरान स्टूडेंट फॉर सेवा के तहत कुल 15 यूनिट रक्तदान किया गया। इस मौके पर एबीवीपी के प्रदेश मीडिया संयोजक अमन पंत, विशाल सैनी, रोहित कोहली, अजय कुमार देवा, आयुष भारद्वाज, संजय पंवार, श्रेय ममगांई, अभिजीत पटवाल, शिखा आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

दिव्यांगजनों को फल, वस्त्र वितरित कर दी सहायता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शिवपुर स्थित रोशनी आर्य मदन लाल आर्य स्मृति ट्रस्ट की ओर से नजीबाबाद के मूसेपुर स्थित सुगंध संस्थान में दिव्यांगजनों को फल एवं वस्त्र वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्थान को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट के संस्थापक स्वर्गीय मदनलाल आर्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद संस्थान में रह रहे दिव्यांगजनों को फल और कपड़े वितरित किए गए। ट्रस्ट की ओर से संस्थान के संचालन में सहयोग के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। सुगंध संस्थान की प्रबंधक कमलेश आर्य ने ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के अनुसार संसार का उपकार करना आर्य समाज का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि दीनदु:खियों और जरूरतमंदों की सेवा के लिए समाज के सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए। जनसहयोग से ही संस्थान में दिव्यांग विद्यालय, वृद्धाश्रम और बेसहारा लोगों की सेवा का कार्य निरंतर संचालित हो रहा है। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. सुरेंद्र लाल आर्य, गरिमा आर्य, सिद्धार्थ आर्य, पूजा आर्य और गजेंद्र सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

छात्रों ने चलाया बीज बम अभियान, जंगल में दबाए 150 से अधिक बीज बम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्यावरण संरक्षण के लिए पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत के छात्र-छात्राओं की ओर से अभियान चलाया गया। ग्राम पंचायत धरासू के जंगल में 150 से अधिक बीज बम भूमि में दबाए। यूथ एवं ईको क्लब तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि उत्तराखंड में बीज बम अभियान पर्यावरण संरक्षण की एक अभिनव, प्रभावी और कम लागत वाली पहल है। इसकी शुरुआत वर्ष 2017 में जाड़ी संस्था के संस्थापक द्वारिका प्रसाद सेमवाल द्वारा उत्तरकाशी से की गई थी। वर्तमान में राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग इस अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गत शनिवार को देहरादून स्थित राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय बीज बम अभियान कार्यक्रम में प्रदेश के 1,056 विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्षाकाल में सभी विद्यालयों के सहयोग से बीज बम अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण और वन संवर्धन को नई गति मिलेगी। विद्यालय में आयोजित अभियान के दौरान शिक्षकों प्रमोद कुमार रमोला, सतीश चंद्र शाह, संजय कुमार, प्रकाश कैंथोला, प्रमोद रावत, नीरज कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने मिट्टी और गोबर से बीज बम तैयार किए। इनमें बांज, आंवला, कचनार, आड़ू, प्लम तथा काफल के बीज डाले गए। इसके बाद इन बीज बमों को विद्यालय परिसर से सटे ग्राम पंचायत धरासू के चीड़ के जंगल में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर भूमि में दबाया गया। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि वर्षा के साथ ये बीज अंकुरित होकर पौधों और फिर विशाल वृक्षों का रूप लेंगे, जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और हरित उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अभियान के दौरान बीज बम बनाते विद्यार्थी

जंगली जानवरों से प्रभावित आबादी क्षेत्रों का दौरा किया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जंगल से सटे आबादी वाले क्षेत्रों में जंगली जानवरों की बढ़ती आवाजाही से लोगों में दहशत का माहौल है।

मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने प्रभावित गिवईस्रोत क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और वन विभाग के अधिकारियों को सतर्क रहते हुए नियमित गश्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आबादी में जंगली जानवरों के प्रवेश की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंचे और सुरक्षित तरीके से जानवरों को वापस जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास करे। साथ ही, उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि जंगल से सटे इलाकों में वन्यजीवों की आवाजाही रोकने के लिए एक प्रभावी और दीर्घकालिक योजना तैयार की जाएगी। इन दिनों लैंसडौन वन प्रभाग से लगे क्षेत्रों, विशेषकर ग्रास्टनगंज और गिवईस्रोत में हाथियों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। शाम होते ही हाथी आबादी में प्रवेश कर फसलों, संपत्ति और अन्य सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पिछले दस दिनों से स्थानीय लोग इस समस्या से परेशान हैं। चार दिन पहले एक हाथी ने क्षेत्र के शिव मंदिर की दीवार तोड़ दी थी और मंदिर परिसर में रखा सामान भी क्षतिग्रस्त कर दिया था। स्थानीय लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष को बताया कि हाथियों के अलावा गुलदार का आतंक भी लगातार बढ़ रहा है। गुलदार आए दिन पालतू कुत्तों को अपना शिकार बना रहा है, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। उन्होंने वन्यजीवों की आबादी में घुसपैठ रोकने के लिए ठोस और स्थायी व्यवस्था किए जाने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि हाथियों एवं अन्य जंगली जानवरों की समस्या के समाधान के लिए वन विभाग के उच्च अधिकारियों से वार्ता कर व्यापक कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने जंगल से सटे क्षेत्रों में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि रात के समय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बस और कार की टक्कर, पति-पत्नी घायल

देवप्रयाग : पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग पर पयाल गांव के पास उत्तराखंड परिवहन निगम की बस और कार में टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार सीएचसी खिर्सू के डॉ. जीशान चोटिल हो गए, जबकि पत्नी इला घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची बाह बाजार पुलिस से पहले ही स्थानीय लोगों ने घायल को निजी वाहन से सीएससी देवप्रयाग भिजवाया। थाना प्रभारी के अनुसार मंगलवार सुबह देवप्रयाग पौड़ी मार्ग पर रेल परियोजना के निर्माण स्थल से थोड़ी दूरी पर पयाल गांव के पास पौड़ी से देहरादून जा रही उत्तराखंड परिवहन निगम की बस व हरिद्वार से खिर्सू की ओर आ रही कार में आमने-सामने की टक्कर हो गई। कार सवार डॉ. जीशान चोटिल और उनकी पत्नी इला घायल हो गए।

जिला भेषज एवं सहकारी विकास संघ (डीसीडीएफ) के निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारी एवं डेलीगेट्स।

रविंद्र सिंह बने डीसीडीएफ के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला भेषज एवं सहकारी विकास संघ (डीसीडीएफ) के चुनाव में अध्यक्ष पद पर रविंद्र सिंह निर्वाचित हुए हैं। इसके साथ ही विभिन्न समितियों के लिए छः डेलीगेट्स का भी चयन किया गया। मंगलवार को आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विभिन्न समितियों के डेलीगेट्स के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी की गई। मुख्य चुनाव अधिकारी सोमनाथ गर्ग ने बताया कि विभिन्न पदों के लिए कुल 12 नामांकन पत्र खरीदे गए थे। जांच के दौरान एक नामांकन आपत्ति के कारण निरस्त कर दिया गया, जबकि एक प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद मैदान में 10 प्रत्याशी ही शेष रहे और सभी का निर्विरोध निर्वाचन घोषित किया गया।

भुगतान लंबित होने से पूर्व जनप्रतिनिधियों में नाराजगी

कीर्तिनगर : ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत कराए गए विकास कार्यों का मटेरियल भुगतान डेढ़ वर्ष से अधिक समय से लंबित होने से पूर्व जनप्रतिनिधियों में नाराजगी है। पूर्व प्रधानों का आरोप है कि सरकार नई योजनाओं की घोषणाएं कर विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन पहले से पूरे हो चुके विकास कार्यों की देनदारियां तक नहीं चुका पा रही है।

ग्राम पंचायत चुनाव से पहले विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत आंगनबाड़ी भवन, चेकडैम, शौचालय समेत कई विकास कार्य कराए गए थे। इन कार्यों का निर्माण पूरा होने के बाद संबंधित विभागों को सौंप दिया गया। बावजूद इसके निर्माण सामग्री का भुगतान अब तक नहीं हो सका है। इससे पूर्व प्रधानों और वेंडरों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। नाम न छापने की शर्त पर पूर्व ग्राम प्रधानों ने बताया कि प्रत्येक विकास कार्य में पांच से छः लाख रुपये तक की निर्माण सामग्री लगी थी। कई स्थानों पर पूर्व प्रधानों ने अपनी जेब से धन खर्च कर सामग्री खरीदी थी। मगर डेढ़ वर्ष बाद भी भुगतान नहीं होने से अब वही वेंडर रोज भुगतान की मांग कर रहे हैं। यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करेंगे। वहीं कीर्तिनगर खंड विकास अधिकारी सुमनलता का कहना है कि मनरेगा के मटेरियल भुगतान के लिए शासन स्तर से बजट प्राप्त हुआ था। कई वेंडरों के भुगतान भी किए जा चुके हैं।

छात्र-छात्राओं को मिला करियर और कौशल का मार्गदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सेवा, सुशासन एवं समर्पण के अंतर्गत जन-जन की सरकार जन-जन के द्वारा कार्यक्रम के तहत राजकीय इंटर कॉलेज क्यूंजा में छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित किया गया।

इस संवाद में छात्र-छात्राओं को आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास और पठन-पाठन की विविध गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों द्वारा उनका वृत्तिक मार्गदर्शन भी किया गया, ताकि वे अपने भविष्य के लिए सही दिशा चुन सकें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं रोजगार योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। योजना के लाभ, आवेदन प्रक्रिया और इससे मिलने वाले रोजगार के अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को बताया गया कि इंटरमीडिएट पास करने के बाद भारतीय सेना, मर्चेंट नेवी, पुलिस और अन्य विभागों में भर्ती के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कैसे भाग लिया जा सकता है। संबंधित तैयारियों और आवश्यक योग्यताओं की सम्यक जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में कुल 61 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और उत्साह पूर्वक सवाल-जवाब में हिस्सा लिया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी सुशील चमोली, किशन रावत सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आंचल डेयरी के कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर स्थित आंचल डेयरी की दुग्ध प्रसंस्करण एवं प्रशासनिक इकाई में सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है। संस्थान में अग्निकांड जैसी आपात परिस्थितियों से बचाव के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से निर्धारित सुरक्षा मानकों को लागू करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। आंचल डेयरी के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि संस्थान में आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपकरण और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। डेयरी के अधिकारियों और कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उ0पे0नि0, पौड़ी।

पत्रांक 850/जी-05 / 46 दिनांक 14/07/2026

निविदा सूचना

इस कार्यालय की अल्पकालीन निविदा सूचना सं0 817/जी0-05/ 43 दिनांक 07.07.2026 द्वारा आमंत्रित निविदा, जो कि दिनांक 22.07.2026 को खोली जानी थी, अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है।

भवदीय
(वीरेन्द्र प्रसाद)
परियोजना प्रबन्धक

संपादकीय

विकास या विनाश की राह

लगभग 26 वर्ष पूर्व जब उत्तराखंड राज्य अपने वजूद में आया था तो यहां एक पर्वतीय प्रदेश की परिकल्पना की गई थी। एक ऐसा प्रदेश जो अपनी प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा करते हुए न केवल भारत बल्कि विश्व में एक मिसाल कायम करेगा। दुर्भाग्य यह है कि विकास के नाम पर उत्तराखंड में सबसे अधिक शोषण और दोहन वन संपदा का ही हुआ है। अनियोजित तरीके से किए जा रहे विकास की भेंट न जाने कितने वन क्षेत्र और पेड़ चढ़ चुके हैं जिसका खामियाजा पर्यावरणीय असंतुलन के तौर पर पूरा प्रदेश भुगत रहा है। अभी हाल ही में देहरादून दिल्ली हाईवे के निर्माण में अनगिनत पेड़ ज़मीदोज़ कर दिए गए तो अब देहरादून ऋषिकेश मार्ग के मध्य वाला वन क्षेत्र सात मोड विनाश की कगार पर है। सात मोड को सुगम बनाने के लिए पेड़ों को काटकर एक सीधी रोड बनाने की योजना तैयार की गई है जिसमें 3000 पेड़ों की बलि दी जाने वाली है और यह कार्य शुरू भी कर दिया गया है। तमाम संगठनों ने सरकार के इस फैसले का कड़ा विरोध किया है और इसे लेकर अब आमने–सामने की स्थिति बन गई है हालांकि बावजूद इसके पेड़ों के कटान का काम नियमित तौर पर चल रहा है। बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तराखंड की वन संपदा आज खतरे में है और यहां की सरकार है वन संपदा की कीमत और इसके प्रभाव को जानते हुए भी धृतराष्ट्र बनी बैठी है। हिमालय की गोद में बसा उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, घने वनों, निर्मल नदियों और जैव विविधता के लिए विश्वभर में जाना जाता है। यहां के जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं हैं, बल्कि पहाड़ों की स्थिरता, जल स्रोतों की निरंतरता और मानव जीवन की सुरक्षा के आधार स्तंभ हैं। दुर्भाग्य से आज विकास के नाम पर जिस तेजी से पेड़ों की कटाई हो रही है, उसने राज्य के पर्यावरणीय भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। सड़क चौड़ीकरण, नई निर्माण परियोजनाएं, शहरी विस्तार और विभिन्न आधारभूत ढांचा योजनाओं के लिए हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं। विकास आवश्यक है, इसमें कोई विवाद नहीं है। बेहतर सड़कें, आधुनिक सुविधाएं और आर्थिक प्रगति किसी भी राज्य की जरूरत होती हैं लेकिन जब विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन समाप्त होने लगे, तब यह विकास नहीं बल्कि विनाश की शुरुआत बन जाता है। उत्तराखंड की मिट्टी और पहाड़ों की संरचना ऐसी है कि वनस्पति का आवरण हटते ही भूस्खलन और भू–क्षरण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को बांधकर रखती हैं। जब इन्हें काट दिया जाता है, तो बरसात के मौसम में मिट्टी बहने लगती है और पहाड़ कमजोर पड़ने लगते हैं। यही कारण है कि अनेक क्षेत्रों में पहले की तुलना में भूस्खलन की घटनाएं अधिक दिखाई देने लगी हैं। वनों की कटाई का प्रभाव केवल पहाड़ों तक सीमित नही रहता। जंगल वर्षा चक्रको संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेड़ों की संख्या घटने से स्थानीय जलवायु प्रभावित होती है, तापमान बढ़ता है और प्राकृतिक जल स्रोतों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है। आज उत्तराखंड के अनेक गांवों में पारंपरिक नौले, धारे और झरने सूखने लगे है। वन्यजीवों भी प्राकृतिक आवास नष्ट होने से भोजन और आश्रय की तलाश में वे मानव बस्तियों की ओर बढ़ते हैं, जिससे मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ जाती हैं। दशकों पुराने वृक्ष की पारिस्थितिक उपयोगिता को कुछ नए पौधे तुरंत पूरा नहीं कर सकते। वृक्षारोपण आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है मौजूदा वनों और पुराने पेड़ों का संरक्षण। यह वही प्रदेश है यहां से अस्तित्व में आए चिपको आंदोलन ने पूरे विश्व का ध्यान खींचा था लेकिन आज विकास के नाम पर जो कुछ हो रहा है वह बेहद चिंताजनक है। यही हाल रहा तो आने वाले समय में उत्तराखंड का मूल स्वरूप बुरी तरह से बिगड़ने वाला है। उत्तराखंड की पहचान उसके जंगलों, नदियों और पहाड़ों से है। यदि इन्हें ही समाप्त कर दिया गया, तो विकास की चमक भी अधिक समय तक टिक नहीं पाएगी। पेड़ों की रक्षा केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि उत्तराखंड के अस्तित्व और भविष्य की रक्षा का प्रश्न है।

दुनिया को असुरक्षित महसूस कराती ट्रंप की युद्धनीति

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की हत्या किए जाने की आशंका जताकर पूरी दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल ट्रंप का यूं स्वयं की हत्या की आशंका जताना केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी बयान नहीं है, बल्कि उस व्यापक भू-राजनीतिक संकट का संकेत भी है, जिसकी आहट आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जब किसी महाशक्ति का सर्वोच्च नेता सार्वजनिक रूप से अपनी सुरक्षा पर खतरे की बात करता है और साथ ही किसी देश को पूरी तरह समाप्त कर देने जैसी चेतावनी देता है, तब यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं रह जाती, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को अक्सर एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दुनिया में शांति स्थापित करना चाहता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने और पश्चिम एशिया में स्थिरता लाने जैसे दावे भी किए हैं। हालांकि, व्यवहारिक राजनीति में उनके कई फैसले इसके विपरीत दिखाई देते हैं। ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई, आर्थिक प्रतिबंधों का विस्तार और लगातार कठोर बयान यह संकेत देते हैं कि उनकी विदेश नीति में कूटनीति की तुलना में शक्ति प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यही नहीं शक्तिशाली देश को कमजोर करने या उसकी कमजोरी उजागर कर पड़ोसी दुश्मन देश को उसके खिलाफ भड़काने का काम भी बहुतायत में हुआ है। ईरान के मामले में आंकलन गलत साबित हुआ है, इस कारण इजराइल चुप हो गया और अब अमेरिका खुद को इस चक्रव्यूह से निकालने की कोशिश में सब गंवाते चले जा रहे हैं।

वर्तमान परिस्थितियां बता रही हैं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो-तीन देशों का विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। इन हमलों में अन्य देशों के नागरिक भी अपनी जान गंवा रहे हैं। कुल मिलाकर जान-माल का खासा नुक्सान हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़े स्तर पर वैश्विक तेल आपूर्ति की जाती है। यदि यहां सैन्य टकराव बढ़ता है तो इसका असर तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक दिखाई देगा। ट्रंप का यह कहना कि यदि उनकी हत्या होती है तो ईरान को अभूतपूर्व सैन्य जवाब दिया जाएगा, राजनीतिक दृष्टि से भले ही समर्थकों को संदेश देने का प्रयास हो, लेकिन संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से यह उतना सरल नहीं है। अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति की स्थिति के लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय तत्कालीन राष्ट्रपति और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से ही लिया जाता है। इसलिए व्यक्तिगत चेतावनी और संवैधानिक वास्तविकता में स्पष्ट अंतर है। इसे ट्रंप भी समझ रहे हैं, इसलिए आगे वो कहते सुने जाते हैं कि उनकी हत्या का बदला वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंस लेंगे, क्योंकि तब वो राष्ट्रपति होंगे। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है और अमेरिका तथा इजराइल के विरुद्ध कड़े बयान दे रहा है। दोनों पक्षों की ओर से आक्रामक भाषा और सैन्य गतिविधियों का विस्तार इस आशंका को बढ़ाता है कि यदि किसी भी स्तर पर गलत आकलन या छोटी सी चूक हुई, तो उसका परिणाम व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में सामने आ सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक बड़े युद्ध ऐसी ही परिस्थितियों में शुरू हुए, जब कूटनीतिक संवाद की जगह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन हावी हो गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक मनोविज्ञान का भी है। किसी नेता द्वारा स्वयं पर हमले की आशंका सार्वजनिक करना कई बार सुरक्षा संबंधी वास्तविक चिंताओं का परिणाम हो सकता है, तो कई बार यह अपने समर्थकों को संगठित करने और कठोर नीतियों को उचित ठहराने का राजनीतिक माध्यम भी बनता है। इसलिए ऐसे बयानों का मूल्यांकन तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक भावनाओं के आधार पर। आज दुनिया पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट,

पाकिस्तान-अफगानिस्तार, सीरिया संकट और विभिन्न क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव वैश्विक शांति के लिए नई चुनौती बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा संयम और संवाद की अपील इसी कारण महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध का अंत अंततः बातचीत की मेज पर ही होता है, लेकिन तब तक उसकी कीमत हजारों जानें, आर्थिक तबाही और वर्षों की अस्थिरता के रूप में चुकानी पड़ती है। महाशक्तियों की जिम्मेदारी केवल अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना और दिखाना नहीं, बल्कि वैश्विक शांति बनाए रखना भी है। युद्ध की भाषा अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकती है, किंतु स्थायी समाधान केवल कूटनीति, विश्वास निर्माण और संवाद से ही संभव है। वर्तमान परिस्थितियों में यही वह रास्ता है, जो अमेरिका, ईरान और पूरी दुनिया को एक बड़े संकट से बचा सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस- साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

योगेश कुमार गोयल

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल...

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित

करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

योगेन्द्र योगी

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान ह्यबिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशियाह्व मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था।

क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या–क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।

भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।

गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बाजार में मौत बनकर घुसी कार: नौसेना अधिकारी की लापरवाही ने ली कई लोगों की जान

विना डेल मार, एजेंसी। चिली के तटीय शहर विना डेल मार में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चिली नौसेना के एक ऑफ-ड्यूटी अधिकारी द्वारा चलाई जा रही निजी कार अचानक एक खुले बाजार में जा घुसी। इस भीषण हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अलग-अलग स्तर पर घायल हो गए। चिली नौसेना ने एक बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और एक रिहायशी इलाके के सुरक्षा कैमरे की फुटेज में कथित तौर पर वह भयावह पल कैद है, जब तेज रफ्तार कार बाजार की दुकानों और ठेलों में जा घुसती है। अन्य वीडियो में देखा जा सकता है कि चालक को पुलिसकर्मी जल्दबाजी में एक पुलिस वाहन तक ले जा रहे हैं, जबकि गुस्साए लोग उसके पीछे दौड़ते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। चिली नौसेना ने अपने बयान में कहा कि इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है और कई अन्य अलग-अलग स्तर की चोटों के साथ घायल हुए हैं। नौसेना ने यह भी कहा कि वह हादसे की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। नौसेना ने अपने आधिकारिक बयान में मृतकों की सटीक संख्या नहीं बताई। हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। विना डेल मार के पुलिस प्रीफेक्ट कर्नल जॉर्ज गाइता ने पत्रकारों से कहा कि चालक का कहना है कि उसे घटना की कोई याद नहीं है। उन्होंने बताया कि हादसे की असली वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। कर्नल जॉर्ज गाइता के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार सही दिशा में चल रही थी, लेकिन उसकी रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक वाहन फुटपाथ पर चढ़ गया और घूमते हुए आगे बढ़ा। कर्नल गाइता ने बताया कि सौभाग्य से बस स्टॉप से टकराने के बाद कार रुक गई। अगर वाहन आगे बढ़ता रहता, तो इससे कहीं ज्यादा जानमाल का नुकसान हो सकता था।

बच्चियों के जबरन धर्म परिवर्तन पर यूरोपीय संघ ने शहबाज सरकार को लताड़ा

ब्रुसेल्स, एजेंसी। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय संसद ने एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें पाकिस्तान के अधिकारियों से धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के अपहरण और जबरन इस्लाम धर्म अपनाने की घटनाओं को रोकने की मांग की गई है। प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र के 2025 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि जबरन धार्मिक परिवर्तन और विवाह से जुड़े मामलों में लगभग 25 प्रतिशत पीड़ित ईसाई लड़कियां होती हैं। यूरोपीय संसद के सदस्यों ने पाकिस्तान से बाल विवाह को समाप्त करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने और अल्पसंख्यक समुदायों की उन लड़कियों के परिवारों की शिकायतों से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय तंत्र बनाने का आग्रह किया, जिनका अपहरण या जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है। यूरोपीय संसद ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए 13 वर्षीय ईसाई लड़की मारिया शहबाज के मामले का भी जिक्र किया। प्रस्ताव के मुताबिक, मारिया का कथित रूप से जुलाई 2025 में 30 वर्षीय शेहरयार अहमद ने अपहरण किया था, जिस पर उसे जबरन इस्लाम धर्म अपनाकर शादी के लिए मजबूर करने का आरोप है। सांसदों ने इस मामले से जुड़ी कानूनी कार्यवाही का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आधिकारिक दस्तावेजों में कथित हेरफेर और लड़की के नाबालिग होने के सबूतों के बावजूद, पाकिस्तान की संघीय संवैधानिक अदालत ने आरोपी के पक्ष में फैसला सुनाया और बच्ची को उसके पास वापस भेज दिया। यूरोपीय संसद ने अदालत के इस फैसले की कड़ी आलोचना की और मांग की कि मारिया शहबाज को कानूनी सहायता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि वह इस कठिन अनुभव से उबर सके। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि मानवाधिकार संगठनों के अनुमान के मुताबिक, हर साल अल्पसंख्यक समुदायों के 1,000 से अधिक नाबालिग इस तरह के अत्याचारों का सामना करते हैं। यूरोपीय संसद ने उन आरोपों पर भी चिंता जताई कि कई बार स्थानीय अधिकारी ऐसे मामलों में मिलीभगत करते हैं, जबकि अदालतें बाल संरक्षण कानूनों की अनदेखी करती हैं, जिससे जबरन धर्म परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है या उसे वैधता मिलती है। संस्थागत कार्रवाई को मजबूत करने की मांग करते हुए यूरोपीय संसद के सदस्यों ने इस्लामाबाद से अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के सभी मामलों की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैंकॉक पब अग्निकांड
बाथरूम की ओर भागे पर नहीं मिला रास्ता

भीषण आग में 27 की मौत
22 की हालत गंभीर

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। शहर के चोम फोन इलाके में स्थित एक पब में आधी रात के करीब भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग इतनी भयावह थी कि पब के भीतर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

बैंकॉक के पब में कैसे लगी आग?

चश्मदीदों और पब में मौजूद म्यूजिशियन के अनुसार, हादसे की शुरुआत स्टेज के पास लगे एक सर्किट ब्रेकर से हुई। सबसे पहले वहां से धुआं निकला और देखते ही देखते पूरे पब की बिजली गुल हो गई। इसके तुरंत बाद एक तेज धमाका हुआ और आग की लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। पब के भीतर उस समय भारी भीड़ मौजूद थी। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वहां चीख-पुकार मच गई।

मौत का जाल बना बाथरूम

प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि आग लगने के बाद जैसे ही पब धुएं से भर गया, घबराए हुए लोग जान बचाने के लिए पीछे के हिस्से में मौजूद बाथरूम की ओर भागे। हालांकि, वहां कोई एग्जिट गेट नहीं होने के कारण वे वहीं फंस गए। अधिकारियों के अनुसार, ज्यादातर लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई है और कई शव बाथरूम के पास से ही बरामद किए गए हैं।

बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

बैंकॉक मेट्रोपॉलिटन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, इस अग्निकांड में झुलसे 63 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपुंट ने जानकारी दी कि घायलों में से 22 की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। पब की क्षमता 300 से अधिक लोगों की थी, और हालांकि सोशल मीडिया पर इसके चार फायर एग्जिट होने का दावा किया गया था, लेकिन हादसे के समय वे प्रभावी साबित नहीं हुए।

आधे घंटे में आग पर काबू

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन दल के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग आधे घंटे में आग पर काबू पाया। बचाव दल ने पब के भीतर फंसे कई लोगों को बाहर निकाला और उन्हें तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग बुझने के बाद पब के भीतर का नजारा बेहद डरावना था। वहां रखी टेबल, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पुष्टि की कि इस भीषण हादसे में अब तक 27 लोगों की जान जा चुकी है।

थाईलैंड में अग्निकांडों का पुराना इतिहास

थाईलैंड में पब और नाइटक्लबों में आग लगने की यह पहली बड़ी घटना नहीं है। इससे पहले साल 2022 में भी देश के पूर्वी हिस्से में एक म्यूजिक पब में आग लगने से 14 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 1 जनवरी 2009 को सांतिका नाइटक्लब में नए साल के जश्न के दौरान हुई भीषण आग ने पूरी दुनिया को हिला दिया था, जिसमें 66 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। उस समय आग का कारण घर के भीतर की गई आतिशबाजी को बताया गया था। हालिया घटना ने एक बार फिर थाईलैंड में व्यावसायिक स्थलों पर सुरक्षा मानकों और फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष से तेल की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई संघर्ष की वजह से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होने लगी है। दोनों देशों के बीच फिर से एक-दूसरे पर हमले के बाद तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से रुकावट की आशंका बढ़ गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6:03 बजे ईटी तक यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़कर 73.87 डॉलर प्रति बैरल हो गए। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 3.5 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 78.67 डॉलर पर पहुंच गया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ब्रेंट की कीमत थोड़ी ज्यादा, लगभग 79 डॉलर प्रति बैरल बताई। यह युद्ध से पहले की कीमत से लगभग 9 प्रतिशत ज्यादा थी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए गए। सेंट्रल कमांड की ओर से बताया गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला करने से ईरान की क्षमता को कम करना इसका उद्देश्य है। सेंट्रल कमांड की ओर से आगे कहा गया, 'कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है।' वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर से कहा गया कि 24 घंटों में तीसरी बार अमेरिका की ओर से हमला किया गया। इससे पहले के हमलों में जलमार्ग के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम, छोटी नावें, रडार और हथियारों के स्टोरेज ठिकानों को निशाना बनाया गया था। अमेरिका के हमलों के बाद ईरानी सेनाओं की ओर से कमर्शियल जहाजों पर गोलीबारी की गई। सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिंस ने कहा कि अमेरिकी विमानों ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। ईरान ने कहा कि जलडमरूमध्य को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है।

वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत के बाद बोट-कैप्टन गिरफ्तार

कंपनी की रिवॉर्ड ट्रिप पर गए थे पर्यटक, परिवारों को टीवी से मिली खबर

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत के बाद स्पीडबोट कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर केस दर्ज किया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भारतीय टूरिस्ट 'लावा मोबाइल' के चैनल पार्टनर और कर्मचारी थे। सभी कंपनी के टॉप परफॉर्मिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए आयोजित रिवॉर्ड ट्रिप पर वियतनाम गए थे। कई पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें हादसे की पहली जानकारी टीवी चैनलों या दोस्तों के फोन से मिली। इसके बाद भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन ने उनसे संपर्क किया। कई परिवार अब भी अपने परिजन के पार्थिव शरीर के भारत पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। शुरुआती जांच में स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मौसम अचानक खराब होने और ऊंची लहरों की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, पूरे मामले की जांच जारी है। पलटी बोट के नीचे फंस गए थे पर्यटक भारतीय दूतावास के मुताबिक बोट में कुल 36 लोग सवार थे। इनमें 32 भारतीय पर्यटक और चार वियतनामी क्रू मेंबर थे। बोट माय रुट द्वीप से दूसरे द्वीप की ओर जा रही थी। तभी अचानक मौसम बदला और तेज लहरों के बीच बोट कुछ ही सेकेंड में पलट गई। बचे हुए यात्रियों ने बताया कि हादसा इतना तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। जो लोग बोट के आगे बैठे थे वे समुद्र में कूदकर बाहर निकल गए लेकिन अंदर बैठे कई यात्री उलटी हुई बोट के नीचे फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। स्थानीय नाविक हा वान लोक ने बताया कि उन्होंने समुद्र में पलटी हुई बोट देखी, जिस पर कई लोग चिपके हुए थे। कुछ लोग बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में बह रहे थे। उनकी टीम ने रस्सी फेंककर लोगों को बाहर निकाला और तुरंत दूसरी रेस्क्यू टीमों को सूचना दी।

इजरायल में आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को होगा

गाजा युद्ध के साये में पीएम नेतन्याहू की साख दांव पर

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल की संसद ने रविवार को आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि देश में अगला आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को ही होगा। यह कानून द्वारा तय की गई आखिरी तारीख है। संसद ने एक बयान जारी कर साफ किया कि चूंकि वर्तमान सरकार अपना पूरा कार्यकाल खत्म करने जा रही है, इसलिए समय से पहले संसद को भंग करने के लिए किसी नए कानून को बनाने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार के इस कदम के बाद इजरायल में समय से पहले चुनाव होने की तमाम अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है।

50 साल बाद पहली बार सरकार पूरा करेगी कार्यकाल

यह चुनाव इजरायल के राजनीतिक इतिहास के लिए बेहद खास है। पिछले करीब 40 सालों में यह पहली बार होने जा रहा है जब देश में चुनाव किसी विवाद के कारण समय से पहले न होकर, अपने बिल्कुल तय समय पर हो रहे हैं। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली यह गठबंधन सरकार पिछले 50 से अधिक वर्षों में अपना 4 साल का पूरा कार्यकाल सफलतापूर्वक समाप्त करने वाली पहली इजरायली सरकार बनने जा रही है। इससे पहले, मई के महीने में संसद भंग करने के पक्ष में हुए एक मतदान के बाद समय से पहले चुनाव होने का डर सताने लगा था।

चौतरफा चुनौतियों के बीच नेतन्याहू को राहत

जनता के गुस्से और भारी चुनौतियों के बावजूद नेतन्याहू के लिए राहत की बात यह है कि इजरायल के विपक्षी दल अभी तक बिखरे हुए हैं। विपक्ष के पास नेतन्याहू को टक्कर देने के लिए न तो कोई एकजुट रणनीति है और न ही कोई एक चेहरा। विपक्ष की इसी कमजोरी और स्पष्ट नेतृत्व की कमी को इस समय नेतन्याहू के गठबंधन के लिए सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

नेतन्याहू की साख पर 'जनमत संग्रह'

इस मतदान को व्यापक रूप से अक्टूबर 2023 में हमास के हमले और उसके बाद गाजा, लेबनान व ईरान के साथ छिड़े युद्धों के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लोकप्रियता और नेतृत्व पर एक 'जनमत संग्रह' के रूप में देखा जा रहा है। युद्ध छिड़ने के बाद देश में यह पहला आम चुनाव होगा। 76 वर्षीय नेतन्याहू के लिए इस बार राह आसान नहीं है। प्री-पोल सर्वे के संकेत बताते हैं कि नेतन्याहू के दक्षिणपंथी और धार्मिक दलों के गठबंधन को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और वे सत्ता से हाथ धो सकते हैं। हाल ही में ईरान के साथ हुए युद्ध के नतीजों और अक्टूबर 2023 में हमास के अचानक हुए हमले के बाद, नेतन्याहू की 'देश को सुरक्षित रखने' वाली छवि को गहरा धक्का लगा है, जिससे उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से गिरा है। इसके अलावा, नेतन्याहू साल 2019 से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिनमें दोषी पाए जाने पर उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है।

अमेरिका का ईरान पर नया हमला शुरू

24 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी सेना ने की कार्रवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी सेना के होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाजों पर फायरिंग करने के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू कर दिए, जिससे दोनों देशों के बीच नाजुक सीजफायर और बिगड़ गया। अमेरिकी कमांड सेंटर ने कहा, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू कर दिए ताकि होर्मुज स्ट्रेट से आसानी से गुजरने वाले आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों पर हमला करने की उनकी क्षमता को कम किया जा सके।' इसमें आगे कहा गया, 'कमांडर इन चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए हमलों का निर्देश दिया है।' अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि 24 घंटे में ईरानी ठिकानों पर ये तीसरी अमेरिकी स्ट्राइक थी। एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया कि नए हमले स्ट्रेट के पास और ईरान के तटीय इलाकों पर फोकस थे। अमेरिकी कमांड सेंटर के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के अनुसार, लगभग उसी समय, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने समुद्री मार्ग से गुजर रहे सिविलियन जहाजों पर फायरिंग की। अमेरिकी मीडिया सीएनएन और द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हॉकिन्स ने कहा कि अमेरिकी एयरक्राफ्ट ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। हॉकिन्स ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, 'हम ईरान को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने दक्षिणी ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जस्क, केशम, बंदर अब्बास और सिरिक में धमाकों की खबर दी। सीएनएन ने कहा कि शुरू में किसी आम नागरिक के मरने या घर या दुकान को नुकसान होने की खबर नहीं मिली। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का यह नया ऑपरेशन रविवार को होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम और आईआरजीसी की छोटी नावों पर किए गए हमलों के बाद हुआ।

पाकिस्तान में सेना बनाम सियासत?: 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें' मौलाना फजलुर रहमान

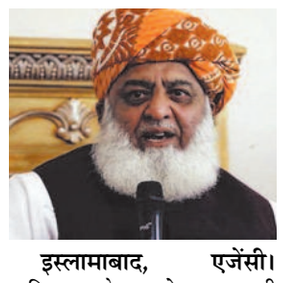

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं। उन्होंने सेना पर संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया।

मौलाना फजलुर रहमान ने क्या कहा? : पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससें यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं।' फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून-बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था। उन्होंने पूछा 'देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं?' 'बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है।

फजलुर रहमान की टिप्पणियों का कारण क्या था?

यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि हमारे युवा शहीद बन रहे हैं। आपके युवा इसी उद्देश्य से वर्दी पहनते हैं। उन्हें देश की सुरक्षा की रक्षा के लिए वेतन दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि तुम अपने खून का एहसान मुझ पर क्यों थोप रहे हो? तुम हमारी मेहनत और पसीने से कमाए गए करों से अपना वेतन ले रहे हो।

इंडोनेशिया में दो ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत

शादी से लौट रहे थे मेहमान, 5 घायल

जकार्ता, एजेंसी। इस वक्त की बड़ी खबर इंडोनेशिया के जावा द्वीप से सामने आ रही है। यहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे, जिसमें यह बतौर मेहमान शामिल हुए थे। जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग एक खुले पिकअप वैन में सफर कर रहे थे। इस दौरान एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उनकी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक दूसरी लेन में चली गई, जहां अन्य ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। इस तरह से दोनों ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो ट्रकों की टक्कर से हुआ हादसा : पुलिस ने सोमवार को बताया कि इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक व्यस्त हाईवे पर शादी के लिए मेहमानों को ले जा रही एक पिकअप ट्रक दो ट्रकों के बीच कुचल गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस प्रमुख उडांग शरीफ हिदायत ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुई। यह समूह पड़ोसी पारेन गांव में एक शादी में शामिल होकर घर लौट रहा था।

ओपन पिकअप में सवार थे मेहमान : ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित एक खुली पिकअप ट्रक में यात्रा कर रहे थे। हाईवे पर यू-टर्न लेने के लिए जब गाड़ी धीमी हुई और मीडियन ओपनिंग के पास रुकी, तो उसी दिशा में आ रहे एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हिदायत ने कहा, 'टक्कर से पिकअप दूसरी लेन में चली गई, जहां उसे एक और ट्रक ने टक्कर मार दी। इस ज़बरदस्त टक्कर से पिकअप ट्रक में सवार एक दर्जन से ज़्यादा लोग हाईवे पर जा गिरे।'

हादसे में पांच लोग घायल : पुलिस ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए 5 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें मामूली से लेकर गंभीर चोटें आई हैं। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। इससे पहले हाल ही में पाकिस्तान में भी एक बस खाई में गिर जाने से 40 लोगों की मौत हो गई थी। बता दें कि इंडोनेशिया में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां ओवरलोडेड गाड़ियां, सड़क सुरक्षा के अपर्याप्त उपाय और ट्रैफिक नियमों का ठीक से पालन न करना अक्सर जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनता है।

आखिर कैसे हुआ हादसा?

स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होा है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

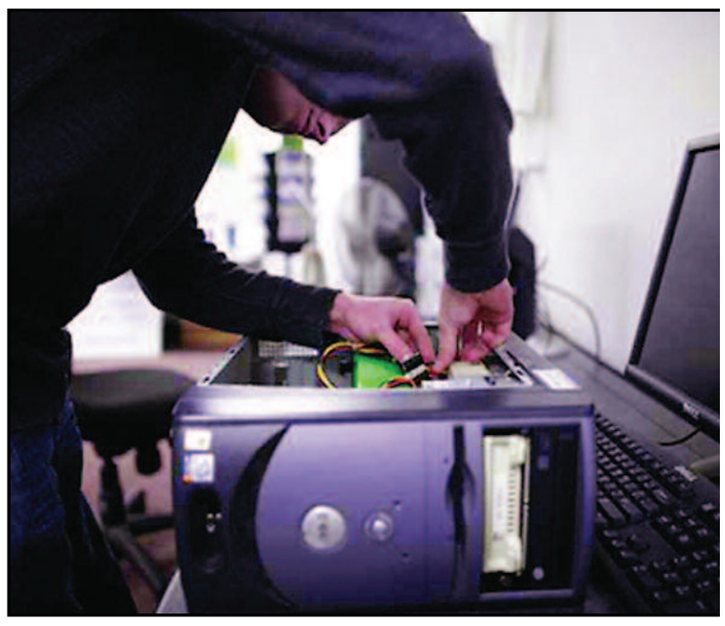

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

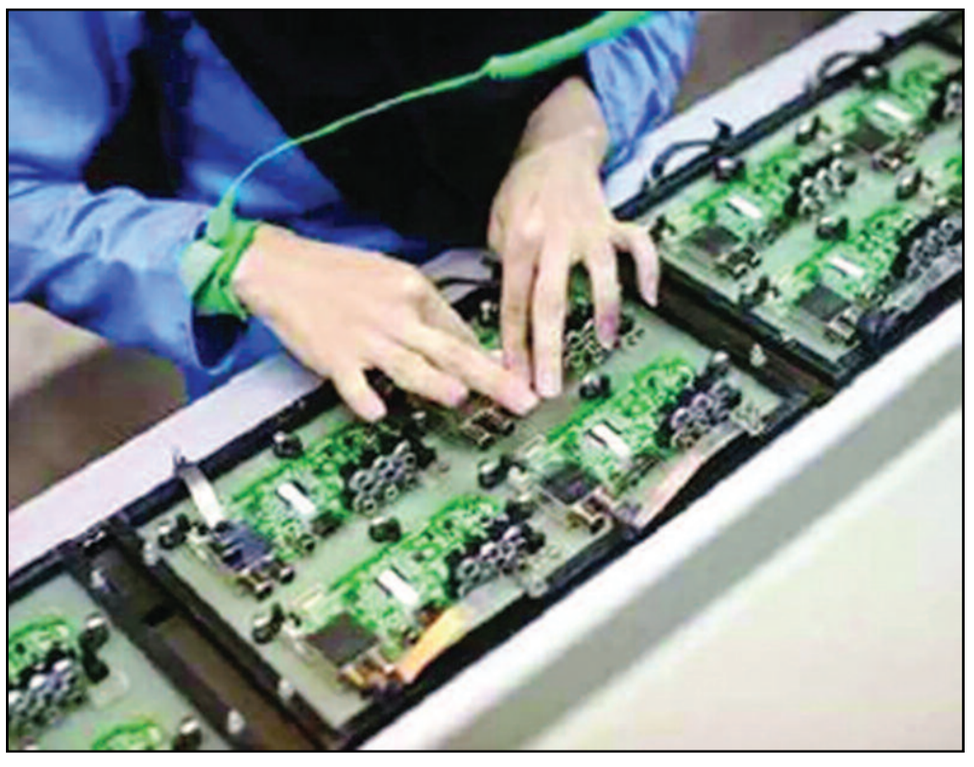

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

बारिश और भूधंसाव से टूटे रास्ते, समय पर मरम्मत बड़ी चुनौती

गोपेश्वर/नंदानगर। मां नंदा देवी की बड़ीजात की तैयारियों के बीच लगातार हो रही बारिश बड़ी चुनौती बनकर सामने आ रही है। यात्रा मार्गों की मरम्मत और यात्रा पड़ावों पर चल रहे विकास कार्य बारिश के कारण प्रभावित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पैदल मार्ग अभी तक बदहाल हैं। जहां मरम्मत कार्य शुरू हुआ था वहां भूधंसाव होने से हालात चिंताजनक बने हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते रास्ते दुरुस्त नहीं किए गए तो श्रद्धालुओं और मां नंदा की डोली को टूटे और जोखिम भरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ेगा। इस वर्ष मां नंदा देवी की बड़ीजात 5 से 30 सितंबर तक होगी। यात्रा ककेलिए कुरुड़ से लेकर बधाण क्षेत्र में तैयारियां तेज हैं। जिला पंचायत, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग और जिला प्रशासन की ओर से यात्रा पड़ावों पर वाहन पार्किंग, शौचालय, पथ प्रकाश, पेयजल व्यवस्था और पैदल मार्गों के निर्माण व सुधारीकरण का कार्य कराया जा रहा है लेकिन रुक-रुक कर हो रही बारिश से कार्य प्रभावित हो रहे हैं। नंदानगर विकासखंड के तेलाण से बंगाली-सुपताल पैदल मार्ग के करीब पांच किमी हिस्से में लोनिवि कर्णप्रयाग की ओर से सुधारीकरण कार्य कराया जा रहा है। हालिया बारिश के बाद इस मार्ग के कई हिस्से भूधंसाव की चपेट में आ गए हैं जिससे निर्माण कार्य भी प्रभावित हुआ है।

बिजली कटौती से व्यापारियों में आक्रोश

पुरोला। नगर क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर नगर उद्योग व्यापार मंडल ने कड़ा विरोध जताया है। व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी को उपजिलाधिकारी पुरोला के माध्यम से ज्ञापन भेजकर तत्काल विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो व्यापारी संवैधानिक और कानूनी दायरे में रहकर व्यापक जनांदोलन शुरू करेंगे।

व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकित पंवार के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि पिछले कई दिनों से नगर में दिन-रात बार-बार बिजली बाधित हो रही है। इसका सीधा असर बाजार की गतिविधियों पर पड़ रहा है और व्यापारियों को प्रतिदिन आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। इससे व्यापार के साथ-साथ रोजगार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। व्यापार मंडल ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर कई बार यूपीसीएल अधिकारियों को फोन और अन्य माध्यमों से समस्या से अवगत कराया गया लेकिन शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया .

चमालकोट इंटर कॉलेज को नहीं मिली वित्तीय मंजूरी

रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री की घोषणा के करीब चार वर्ष बाद भी राज्य आंदोलनकारी राय सिंह बंगारी इंटर कॉलेज चमालकोट-तुनेटा को इंटर स्तर पर वित्तीय स्वीकृति नहीं मिल सकी है। इसका असर अब विद्यालय की छात्रसंख्या पर भी दिखने लगा है। मुख्यमंत्री की घोषणा के समय 11वीं और 12वीं में 105 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत थे। अब संख्या घटकर 39 रह गई है। राज्य आंदोलनकारी राय सिंह बंगारी मसूरी गोलीकांड में शहीद हुए थे। उनके गांव में स्थापित इस विद्यालय को आठ अक्तूबर 2022 को तिलवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने इंटर स्तर पर पूर्ण वित्तीय अनुदान देने की घोषणा की थी। इसके बाद शासन और शिक्षा विभाग स्तर पर पत्राचार भी हुआ लेकिन अब तक वित्तीय स्वीकृति नहीं मिल सकी। वर्तमान में विद्यालय को दसवीं तक राजकीय अनुदान प्राप्त है जबकि इंटर की कक्षाएं बिना वित्तीय सहायता के संचालित हो रही हैं। धनराज बंगारी पूर्व प्रधान संगठन अध्यक्ष रुद्रप्रयाग, हेमंती देवी पूर्व प्रधान, प्रेम लाल पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य, कुलदीप सिंह और मधुसूदन राणा ने बताया कि 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को करीब छह किलोमीटर दूर जखोली या तिलवाड़ा इंटर कॉलेज जाना पड़ता है। उन्होंने जल्द विद्यालय को वित्तीय स्वीकृति देने की मांग की। उधर मुख्य शिक्षा अधिकारी अजय सिंह चौधरी ने बताया कि प्रधानाचार्य से आख्या मांगी गई थी लेकिन अब तक प्राप्त नहीं हुई है।

स्वास्थ्य शिविर में 227 लोगों की जांच कर दी दवा

नंदानगर। सेवा पखवाड़े के तहत सीएचसी नंदानगर में आयोजित तीन दिवसीय विशेष चिकित्सा जांच शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को 227 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में 68 लोगों की हाइपरटेंशन और 68 की शुगर जांच, 10 एक्स-रे तथा 92 लोगों की लैब जांच हुई। 20 किशोरियों को मासिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। 49 महिलाओं की सर्वाइकल व ब्रेस्ट कैंसर तथा 68 लोगों की मुख कैंसर की स्क्रीनिंग भी की गई। सर्जन डॉ. भानु प्रताप, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अंबरीश कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ शिव सिंह राणा सहित अन्य चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं वितरित की।

आईटीआई संचालन के लिए कौशल विकास मंत्री से मिले

देवाल। चमोली जिले के देवाल और नंदानगर में आईटीआई के शुरू होने की उम्मीद जगी है। इसके लिए थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने प्रदेश के कौशल विकास मंत्री सौरव बहुगुणा को पत्र सौंपा और आईटीआई के संचालन की मांग की।

देवाल में अस्सी के दशक में आईटीआई का संचालन शुरू हुआ। ग्रामीण बताते हैं कि तब यहां मोटर मैकेनिक सहित कई ट्रेड शुरू हुए लेकिन पिछले एक दशक से इस आईटीआई का संचालन बंद है। यहां के युवा आईटीआई करने के लिए कर्णप्रयाग या अन्य जगह जा रहे हैं। वहीं नंदानगर में आईटीआई का संचालन नहीं हो रहा है। विधायक भूपाल राम टम्टा ने मंत्री को अवगत कराया कि युवाओं के भविष्य और स्थानीय स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इन संस्थानों का सुचारू रूप से चलना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही इन दोनों आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन और फिटर जैसे महत्वपूर्ण ट्रेडों को स्वीकृत करने का अनुरोध भी किया।

पैदल मार्ग पर बढ़ रही गंदगी, लीद की फिसलन से यात्रियों से परेशानी

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कई हिस्सों में कचरा और घोड़े-खच्चरों की लीद जमा होने से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। इससे जहां श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, वहीं फिसलन भरे रास्तों पर दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है।

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर इन दिनों गंदगी बढ़ने लगी है। कई स्थानों पर फैली गंदगी और घोड़े-खच्चरों की लीद से उठ रही दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों को परेशानी हो रही है। वहीं मार्ग पर लीद जमा होने से कई जगह पैदल मार्ग पर फिसलन हो रही है।

गौरीकुंड व्यापार संघ के अध्यक्ष रामचंद्र गोस्वामी ने बताया कि यात्रा के पीक सीजन के दौरान पैदल मार्ग पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक थी, लेकिन यात्रियों की संख्या कम होने के बाद कई स्थानों पर गंदगी के ढेर लग गए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित संस्था ने घोड़े-खच्चरों की लीद और अन्य कचरा एकत्रित करने के लिए रखी थैलियां भी कई स्थानों पर मार्ग के किनारे ही पड़ी हुई हैं। समय पर उनका निस्तारण नहीं होने से समस्या बढ़ती जा रही है और लीद जमा होने से पैदल मार्ग पर फिसलन हो रही है।

उधर, सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही सुलभ इंटरनेशनल के स्थानीय प्रबंधक धनंजय पाठक ने बताया कि बरसात के बाद भी सभी सफाई कर्मी पैदल मार्ग पर लगातार तैनात हैं। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण एकत्रित की गई लीद और कचरा बरसाती पानी के साथ बह रहा है।

पैदल मार्ग पर समुचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने से बरसाती पानी मलबे के साथ बहकर कचरे और लीद को भी इधर-उधर फैला देता है। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मी लगातार मार्ग की सफाई में जुटे हैं और शीघ्र ही मार्ग को पूरी तरह स्वच्छ कर दिया जाएगा। इन एकत्रित बोरों को भी ट्रक के माध्यम से सोनप्रयाग पहुंचाया जा रहा है।

बिना पंजीकरण घोड़ा-खच्चर संचालन पर सख्ती

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बिना पंजीकरण घोड़ा-खच्चर संचालन करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। बिना लाइसेंस हॉकर रखने वाले संचालकों के चालान काटे जा रहे हैं और लाइसेंस भी जब्त किए जा रहे हैं। प्रशासन के अनुसार केदारनाथ यात्रा के तहत अब तक 484 हॉकरों का पंजीकरण किया जा चुका है। गौरीकुंड, भीमबली, लिनचोली और केदारनाथ में जिला पंचायत की ओर से पंजीकरण शिविर संचालित किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

निर्माण कार्य में गुणवत्ता का रखें ध्यान : एसपी

ऊखीमठ। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने मंगलवार को कोतवाली ऊखीमठ का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने कोतवाली परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, कार्यालय के महत्वपूर्ण अभिलेखों के रख-रखाव और पुलिस कर्मियों के लिए चल रही योजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय में रखे विभिन्न महत्वपूर्ण रजिस्टरों, जिसमें अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर का अवलोकन किया। उन्होंने सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने के निर्देश दिए। साथ ही कोतवाली परिसर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बनाए जा रहे नए आवासीय भवनों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। एसपी ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज नेगी सहित कोतवाली के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों ने दौड़ और शारीरिक व्यायाम किया

रुद्रप्रयाग। रिजर्व पुलिस लाइन रतूड़ा में मंगलवार को साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर के नेतृत्व में आयोजित परेड में पुलिसकर्मियों को दौड़ और शारीरिक व्यायाम कराया गया। परेड के दौरान पुलिस बल की शारीरिक क्षमता और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से मैदान में दौड़ कराई गई। इस दौरान प्रशिक्षकों की देखरेख में पीटी और अन्य शारीरिक अभ्यास कराए गए। पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर ने बताया कि नियमित अभ्यास से पुलिसकर्मी शारीरिक रूप से फिट रहने के साथ मानसिक रूप से भी सक्रिय रहते हैं। परेड के बाद पुलिस उपाधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कुफारा सड़क पर खोखले चीड़ के पेड़ बने खतरा

पुरोला। पुरोला-मेहराणा कुफारा मोटर मार्ग पर सड़क के ऊपर खड़े दर्जनों झूलते चीड़ के पेड़ राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। बरसात के मौसम में इन पेड़ों की खोखली हो चुकी जड़ों के कारण इनके कभी भी सड़क पर गिरने की आशंका बनी हुई है जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।क्षेत्र के दिनेश चौहान, ढ़काड़ा ग्राम प्रधान गुड्डी देवी, प्रधान पवन तोमर, बिजेंद्र चौहान, मनमोहन शर्मा, कमला राम शर्मा, उपेंद्र शर्मा सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यह मोटर मार्ग मेहराणा, ढ़काड़ा, कुफारा और रतेड़ी सहित कई गांवों को विकासखंड मुख्यालय, राजकीय इंटर कॉलेज, महाविद्यालय, थाना, तहसील मुख्यालय और कुरूड़ा गांव से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, कर्मचारी, व्यापारी और स्कूली छात्र-छात्राएं इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में हुई भारी बारिश के दौरान इसी मार्ग पर तीन चीड़ के पेड़ गिर गए थे। गनीमत रही उस दौरान कोई वहां से गुजर नहीं रहा था जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया।

12 समस्याओं का मौके पर ही निराकरण

कर्णप्रयाग। जीआईसी कनखुल में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में ग्रामीणों की 34 में से 12 समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। स्वास्थ्य, उद्यान, कृषि और शिक्षा सहित कई विभागों ने स्टॉल लगाए। इन विभागों ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और आवश्यक दस्तावेज बनाए। उप जिलाधिकारी अलकेश नौडियाल ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। ब्लॉक प्रमुख दीपिका मैखुरी ने केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया। वहीं कनखुल में आयोजित बहुदेशीय शिविर में जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय उत्पादों को अधिकारियों के लिए परोसा। इस दौरान लाल चावल, मंडुवे की रोटी, लेगुड़ा की सब्जी, रायता और अन्य स्थानीय उत्पादों से तैयार भोजन को स्थानीय बाजारों में बढ़ावा देने की मांग भी की गई।

शिविर में वायरल के अधिक मरीज मिले

नंदासैंण। सेवा इंटरनेशनल उत्तराखंड ने गैरसैंण विकासखंड के नंदासैंण में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इसमें मालई, कफ़लोड़ी, बैनोली और चौरासैंण सहित आसपास के क्षेत्रों के 61 से अधिक ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में सभी तरह की रक्त जांच, ईसीजी और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श के साथ निशुल्क दवाएं भी दी गईं। बरसात के कारण पेयजल स्रोत दूषित होने से क्षेत्र में वायरल के मरीज अधिक पाए गए। चिकित्सकों ने लोगों को स्वच्छ और उबालकर पानी पीने की सलाह दी। उन्होंने साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने पर भी जोर दिया। संचालन सेवा इंटरनेशनल उत्तराखंड के कैंप समन्वयक राहुल रावत उपस्थित रहे। आयुष चिकित्सक डॉ. दिव्या, रिंकी, मंजू और सरिता कुंवर ने भी अपनी सेवाएं दीं।

सीनियर आईएफएस पंकज कुमार का ट्रांसफर आदेश रद्द

नैनीताल, नैनीताल हाईकोर्ट की ओर से वन विभाग के प्रधान सचिव को अवमानना नोटिस जारी करने के एक सप्ताह बाद सरकार ने नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व के डायरेक्टर पद से आईएफएस पंकज कुमार के ट्रांसफर का आदेश को वापस ले लिया है। खंडपीठ ने आईएफएस पंकज कुमार के पक्ष में "नो मूवमेंट" (ट्रांसफर न करने) का आदेश दिया था। इसके बावजूद राज्य सरकार ने अप्रैल में ट्रांसफर का आदेश जारी कर दिया ।

मौत के मुहाने पर 150 परिवारों की जिंदगी

हल्द्वानी। जिला प्रशासन ने आपदा की स्थिति में जानमाल के खतरे की आशंका को देखते हुए रकसिया, कलसिया और देवखड़ी नाले के किनारे रह रहे 150 परिवारों को घर खाली करने के नोटिस भेजे हैं लेकिन एक पखवाड़े बाद भी लोग घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं और सैकड़ों जिंदगियां मौत के साये में हैं। अमर उजाला टीम नालों के पास खतरे की दस्तक जानने के लिए पहुंची। नालों के इर्द-गिर्द हालात चिंताजनक मिले। नाले उफान पर आए तो पानी कहर बनकर टूटेगा और नुकसान होना तय है।

बारिश आएगी तब देखेंगे

कलसिया नाले के किनारे खतरे के मुहाने पर रहने वाले मोहम्मद सलीम, केसर जहां व नासिर आदि का कहना है जब नाले का जलस्तर बढ़ने लगेगा तब देखेंगे क्या करना है। दमुवादूंगा में रकसिया नाले के किनारे रहने वाले मोहन सिंह, प्रताप और मोहनी देवी का कहना है कि इतना सामान लेकर कहां जाएं? प्रशासन घर खाली कराने के बजाय नालों में सुरक्षा इंतजाम कराए। देवखड़ी नाले से सटे वार्ड 36 निवासी चंद्र मोहन और हरीश चंद्र का कहना है पिछले साल

आई आपदा के बाद राहत और बचाव का काम हुआ है। फिर भी हम अलर्ट हैं। जरूरत पड़ने पर अन्यत्र चले जाएंगे।

शिफ्टिंग में ये हैं सबसे बड़ी दिक्कतें

लोगों का कहना है कि प्रशासन स्कूल अथवा रैन बसेरे में अस्थायी व्यवस्था करता है। वहां एक व पूरे में तीन से चार परिवारों को ठहराया जाता है। अलग-अलग परिवारों का एक कमरे में रहना और वहां भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव दिक्कतों का कारण बनता है। वह कहते हैं कि दो-तीन माह के लिए कोई किराये पर कमरा नहीं देता है। कमरा मिल भी जाए तो किराया इतना अधिक होता है कि वह उसे वहन नहीं कर पाते।

बिना अनुमति आवासीय भवन सील करने पर रोक

गोपेश्वर। जिले में किसी भी आवासीय भवन को बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के सील या ध्वस्त नहीं किया जाएगा। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण (डीएसडीए) चमोली के अध्यक्ष/जिलाधिकारी गौरव कुमार ने यह आदेश जारी किया है।

आदेश में कहा गया कि वर्तमान में विकास प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत कई नियमविरुद्ध अथवा बिना पूर्व अनुमति निर्मित आवासीय भवनों को सील किए जाने की कार्रवाई की गई है। ऐसे सभी मामलों में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जिन 11 आवासीय भवनों को सील किया गया है उन्हें तत्काल प्रभाव से सीलमुक्त किया जाए तथा इसकी सूचना शीघ्र जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया है कि भविष्य में किसी भी आवासीय भवन के विरुद्ध सीलिंग या ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई करने से पहले सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यदि किसी भवन के विरुद्ध गंभीर नियम उल्लंघन के कारण कार्रवाई आवश्यक हो तो संबंधित अधिकारी अधिनियम के सभी वैधानिक प्रावधानों का पालन करेंगे। इसमें कारण बताओ नोटिस, निर्धारित समयावधि, सुनवाई का पर्याप्त अवसर तथा संपूर्ण अभिलेख अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। कहा गया कि किसी भी कार्रवाई के दौरान आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े।

कहीं हुई बारिश, कहीं उमस से परेशानी

कर्णप्रयाग/नारायणबगड़/जिला सू। दो दिनों से मौसम साफ होने के कारण उमस बढ़ गई जिससे लोग परेशान रहे। थोड़ा पैदल चलने पर भी लोगों के पसीने छूट रहे थे। हालांकि शाम होते-होते आसमान में हल्के-हल्के बादल छाने लगे। वहीं नारायणबगड़ में झमाझम बारिश से लोगों को बड़ी राहत मिली है। तेज धूप के कारण उमसभरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं बिना बारिश के फसलें सूखने लगीं थीं लेकिन आज मंगलवार को हुई जोरदार बारिश से फसलों को फिर से नया जीवनदान मिला है।

छात्र-छात्राओं को दी कॅरिअर की जानकारी

रुद्रप्रयाग। सरकार के जन शिविर कार्यक्रम में राजकीय इंटर कॉलेज क्यूंजा में छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास और पठन-पाठन की विविध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने उनका मार्गदर्शन भी किया ताकि वे अपने भविष्य के लिए सही दिशा चुन सकें। इस दौरान छात्र-छात्राओं को इंटरमीडिएट पास करने के बाद भारतीय सेना, मर्चेंट नेवी, पुलिस व अन्य विभागों में भर्ती संबंधित तैयारियों और आवश्यक योग्यताओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में करीब 61 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

पेड़ गिरा...यातायात ठप, वन विभाग नहीं आया तो ग्रामीणों ने खुद संभाली बागडोर

गौलापार। चोरगलिया-सितारगंज मुख्य मार्ग पर एक विशालकाय पेड़ सड़क पर गिरने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे करीब 45 मिनट तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। स्थानीय लोगों ने वन विभाग की टीम के पहुंचने का काफी देर तक इंतजार किया लेकिन सहायता नहीं मिलने पर राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों ने स्वयं पहल की। करीब 45 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों और राहगीरों ने सड़क से पेड़ हटाकर मार्ग को यातायात के लिए सुचारु कराया।

वहां मौजूद रोहित थुवाल, ऋषभ शर्मा एवं क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और वन विभाग से सड़क किनारे जर्जर एवं खतरा बने पेड़ों की समय-समय पर जांच करने की मांग की है।

रामनगर-देहरादून के बीच सीधी ट्रेन का इंतजार अब खत्म

रामनगर और देहरादून के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी की लंबे समय से चली आ रही मांग जल्द पूरी होने जा रही है। सांसद अनिल बलूनी ने बताया कि 18 जुलाई से रामनगर से देहरादून के लिए सीधी ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने इसे क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया है। सांसद बलूनी ने कहा कि कॉर्बेट सिटी के रूप में पहचान रखने वाले रामनगर के लोगों को देहरादून आने-जाने के लिए अब अधिक सुविधा मिलेगी। इससे स्थानीय लोगों को सरकारी और निजी कार्यों के लिए देहरादून पहुंचने में आसानी होगी। साथ ही उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को भी कॉर्बेट नेशनल

पार्क तक पहुंचने में सीधी रेल सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि शुरुआत में इस ट्रेन का संचालन प्रयोग के तौर पर सप्ताह में दो दिन किया जाएगा। यात्रियों की संख्या और प्रतिक्रिया के आधार पर रेलवे बाद में इसका संचालन सप्ताह में चार या पांच दिन तक बढ़ा सकता है।

शिक्षा ग्रेडिंग सूचकांक में चमोली अव्वल

कर्णप्रयाग। शिक्षा क्षेत्र में जिलों के प्रदर्शन को लेकर जारी राष्ट्रीय स्तर की रिपोर्ट में उत्तराखंड के जिलों के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। मूल्यांकन में कुछ जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि कुछ जिले पिछड़ते नजर आए। रिपोर्ट में शिक्षा व्यवस्था, सुविधाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़े कई मानकों को शामिल किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से जारी जनपदों के ग्रेडिंग सूचकांक 2025-26 में चमोली जनपद ने राज्य में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। 600 अंकों की इस रिपोर्ट में चमोली ने 352 अंक हासिल किए हैं। हरिद्वार जनपद 310 अंकों के साथ राज्य में अंतिम 13वें स्थान पर रहा। यह सूची करीब पांच दिन पहले जारी की गई।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय हर वर्ष जनपदों की परफॉर्मेंस के आधार पर सूची जारी करता है। इसमें जिलों को 10 श्रेणियों में बांटा जाता है। सर्वोच्च श्रेणी उत्कर्ष कहलाती है। इसके बाद उत्तम, प्रचेष्ठा, आकांक्षी श्रेणियां होती हैं। परफॉर्मेंस रिपोर्ट छह डोमेन के आधार पर तैयार होती है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज़्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्योजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।' इसमें कहा गया है, 'यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।' मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, 'अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।' मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।' मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं।मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।

चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिडोंग और हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सर्किट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है।मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

● फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।

इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।